श्री राम

प्रेमाविराम

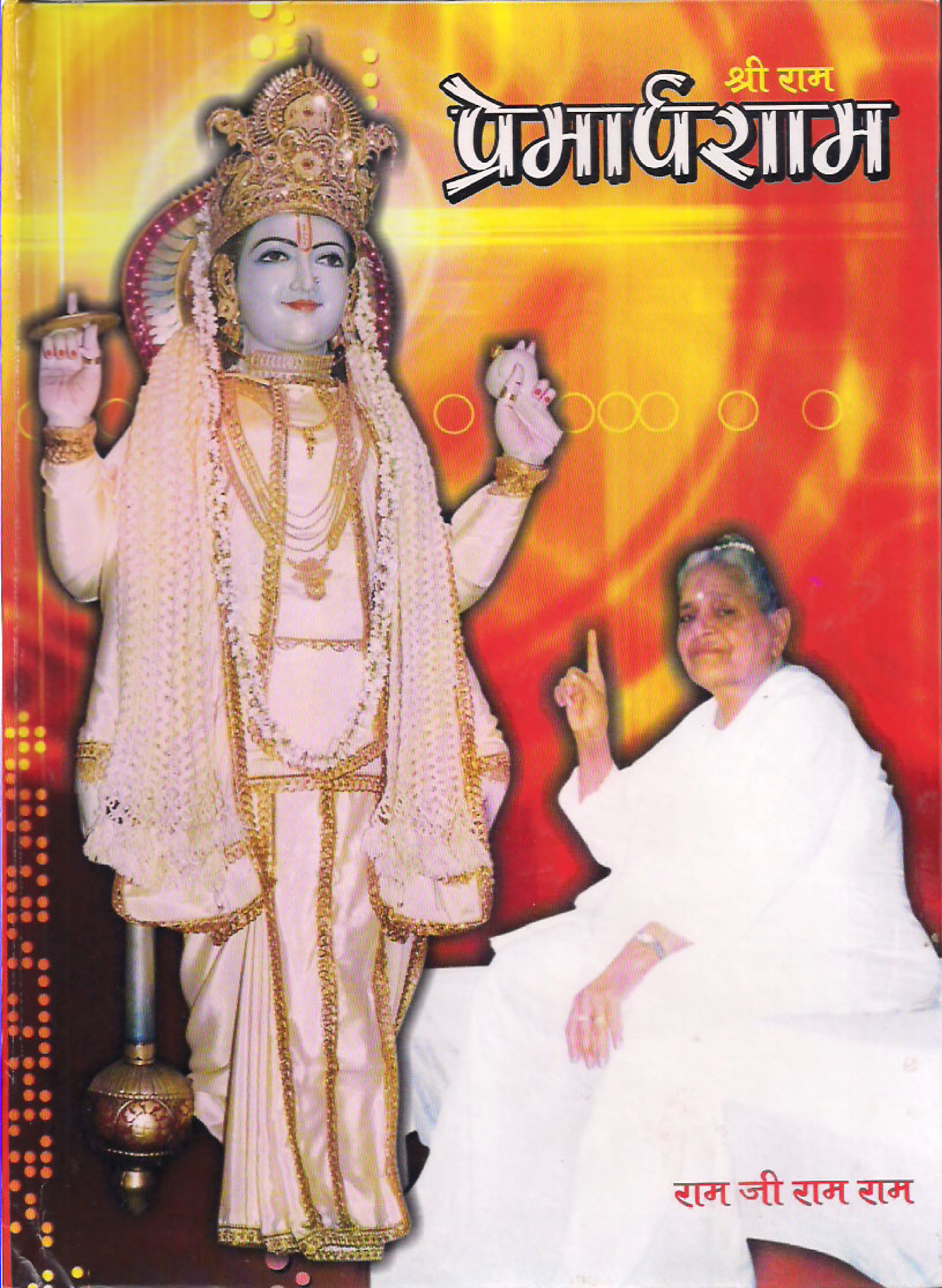

राम जी राम राम

क्रमांक	भजन	पेज सं0
1.	आज मेरे घर राम जी आये	1
2.	उच्चे सिहांसन बैठे राम जी सजदे ने	3
3.	ऐसी रामजी ने बुद्धि बनाई	4
4.	जी नही करदा सतगुरू	5
5.	तारेयां दी छावें–छावें राम जी आन्दे ने	7
6.	हारां वाला आया नीं मै सगन मनावा	9
7.	जद दे होये गुरा दे दर्शन	11
8.	तेरे नयना दे प्यालया तो जरा पीती ए	13
9.	बिना राम नाम, मूर्ख बन्दे, जीआ न जीआ	15
10.	हरे राम, हरे राम, हरे राम हरे	16
11.	मेरे सतगुरू जी तेरे बिना नही रहणा	19
12.	श्रद्धा नाल गुरा दी शरणी सेवक आणा चाहीदा	21
13.	मेरे सिर पर रख दो रामजी अपने दोनो हाथ	24
14.	मेरे राम जी, दर ते बिछाया मै तां पल्ला	26
15.	एक प्रेम की गंगा बहती है	29
16.	नही चाहिए दिल दुखाना किसी का	31
17.	मैं प्रभु जी तेरे देश नूं , आवां ते आवां किस तरह	33
18.	बिन किस्मत जपया नही जांदा	34
19.	मेरा होवेगा किवे निस्तारा कन्हैया	35
20.	छम छम नाचे देखो वीर हनुमाना	36
21.	जीवन दा मैनू आनन्द आ गया	38
22.	ओ गरीब निवाज मेरी बांह फड़ लै	40
23.	मेरे प्यारे राम जी ने अज रहमतां लुटाइयां ने	42
24.	हारां वाला मेरा साई वे	44
25.	मेरे सतगुरू पीरां दे पीर	46
26.	थोड़ा ध्यान लगा	48
27.	नामं रस का प्याला जब से पीया	50
28.	मिट्ठे लगदे गुरू जी तेरे बोल	52
29.	मन तुम संग लगा है	54
30.	ते चरणा विच बीते जिन्दगानी	56

क्रमांक	भजन	पेज सं0
31.	मेरा तड़पदा है दिल. सतगुरू आ छेती मिल	58
32	खा लो खा लो जी राम नाम के लड्डू	60
33	उँज ते प्यारी सारी दुनियां	62
34	नाथ मै थारो जी थारो	64
35	तेरा शुक्रिया है तेरा शुक्रिया है	65
36.	मेरे मन में तो यही बड़ा चाव	66
37.	मुझे इतना दिया मेरे बाला	68
38.	द्वारे तेरे आई मुख मोड़ न	70
39.	खुशियां मनाओ अज मौज मनाओ	72
40.	लाखो दरबार दुनियां में यू तो	74
41.	सेवादार हां गुनहागार हां	76
42.	तेरेआ चरणा नाल मेरा जो प्यार है	77
43.	हरि आप हो मेरे हरि–2	79
44.	पाईयां तेरे दर तो मै रहमता हजारा	81
45.	सोहणे लगदे ने महल चौबारे	83
4[illegible].	श्रीराम की गली में तुम जाना	84
47.	भगवान एहो अरदास मेरी ए	85
48.	मेरा रूठे न मोहन प्यारा	87
49.	तेरे चरणों में आकर गुरूजी	88
50.	अल्लाह मेरे मौला, तेरे नाल मौजं बहारा	89
51.	भक्ति से भरा जीवन दातार हमे देना	90
52	जे तुसी न फड़दे बाह असां रूल जाना सी	91
53.	दीवा चन्न दा जगे हवा पुर दी वगे	94
54.	रामजी मेरी नौकरी पक्की करो	95
55.	जयकारा जयकारा जयकारा	97
56.	वाह वाह ये मस्ती सतसंग की	99
57.	तन वारा कि मै मन वारां	101
58.	तू वी नचना ए अज साडे नाल	103
59.	मेरे गुरा दा जिदे उते रंग चढ़या	105
60.	देखो किने सोहणे [illegible] दीदार	107

क्रमांक	भजन	पेज सं0
61.	की दम दा भरोसा यार दम आए न आए	109
62.	यह दाने दार माला मेरे किस काम की	111
63.	द्वार आए रामजी दा लखवार शुक्रिया है	113
64.	मेहर बरसे बरसे मेरे राम जी के द्वार	115
65.	रामजी इक दिन आनगे मेरे द्वारे	117
66.	बिना प्रभु दे तू किसे नाल प्यार	119
67.	गुरू चरणा विच बै के कसम असी	121
68.	मेरा छोटा सा परिवार हरि आ जाओ	123
69.	दीदार कर लो बार बार कर लो	125
70.	राम जी प्यारे जिन्हा उते मेहर करदे	127
71.	रहमता ने होदियां तेरे दर रहमतां	129
72.	जगा ले जगा ले अंतर ज्योति जगा ले	131
73.	चल टुर पै प्रभु जी दे राह	133
74.	भोले बाबा ने डमरू बजाया जरा	134
75.	शिव शंकर त्रिपुरारी	136
76.	खीचों खीचों श्याम मेरी डोरी	137
77.	आओ भोग लगाओ मेरे मोहन	138
78.	अज खुशी राम जी दे आवन दी	139
79.	ऐसी किरपा करो राम जी मेरे	141
80.	मेरे राम जी, मेरे राम जी	143

श्रीराम

आज का दिन बहुत भाग्यशाली है कि राम जी (प्रेमशर्मा) को आज नये भजन लिखने को, सर्वशक्तिमान, पिता परमात्मा, प्रेरणा कर रहे हैं, कि इस साल 2008 में भी किताब लिखो, जिस में और भी सुन्दर, पजांबी तथा हिन्दी भजन हो। बधाई हो...... बधाई हो...

बधाई हो राम जी को भी और सब को भी।

आप सब को सदा 2 बधाई

राम जी...

भजन नं० 1

आज मेरे घर राम जी आये
पुष्प हुए गुलज़ार,
धन्य धन्य भाग मेरे
सब को खुशियां देने वाला
यह मेरा दातार
धन्य धन्य भाग मेरे

I

उमड़ रहा है मन मेरा, दर्श तुम्हारा पा कर के
खुशी हुई जो मन में मेरे
कही न जाये गा कर के
दिल करता है मैं बन जाऊं
तेरे गले का हार
धन्य धन्य -----.

II (2)

माखन से भी कोमल हो,
गंगा जल से शीतल हो,

2

तुम को पाकर प्रेमी तेरे,
कर रहे जय जय कार,
धन्य धन्य भाग मेरे,

3

सतगुरु तेरे चरणों में,
छिपा खजाना भक्ति का,
अपनी पावन किरपा से,
दुख हर लेते भक्तों का,
तुम को पाकर मेरे मन में
आई मस्त बहार
धन्य धन्य ----

4

सुन्दर मुखड़ा देख देख कर,
संगत बड़ी हर्षाती है,
राम जी की कृपा को पाकर,

P.T.O

फूली नही समाती है ॥

इस ग्योर सुन्दर मुखड़े पर
दूं मै तन मन वार
धन्य धन्य------

राम जी राम राम
श्रीराम
कर कृपा प्रभु दीनदयाल।
तेरी ओर पूरी गोपाल।

श्रीराम
21.5.08
9AM

श्रीराम

भजन नं० 2

उच्चे सिंहासन बैठे राम जी सजदे ने,
कुल दुनिया दे मालिक प्यारे लगदे ने।

2.

तेरा हार हीरेयां जड़या,
मेरा वेख कलेजा ठरया,
तेरा दर्शन कर के सतगुरु,
मेरा तन मन हो गया हरया,
नैन नहीं रजदे ने। कुल दुनिया - - -.

3

तेरा नीवां चोला,
तेरी चाल बड़ी मस्तानी,
तेरा दर्शन कर के सतगुरु,
सारी संगत होई दिवानी,
जय कारे लगदे ने। कुल दुनिया - - -.

4

ओहड़े राम जी दे प्यारे,
ओह बड़े ही भागां वाले,
ओन्हा राम जी दे उत्तों,
तन मन धन दित्ते वार,
नगाड़े वजदे ने। कुल दुनियां ---

5

मैं दूरों चल के आइयां
दाता न कर बेपर्वाहियां,
इक वारी दर्शन दे दो,
मेरे सच्चे सिर देया साइयां।
कृपा करदे ने। कुल दुनियां ---

राम जी राम राम
श्रीराम
कर कृपा प्रभु दीनदयाला
तेरी ओर पूरा गोपाला
24.5.08 (3.40 P.M)

श्रीराम

भजन नं० 3

ऐसी राम जी ने सृष्टि बनाई,
सच दी लीला कर दित्ती तूं,
जिस वल वेखवां, तूँ ही तूं॥

1
बाबू बण के रेल चलावे,
मुसाफिर बण के बह गया तूं,
ऐसी राम जी--

2
बादल बण के मिंह बरसावे,
बिजली बण के कड़केया तूं।
ऐसी राम जी--

3
माता बन के दूध पिलावे,
बालक बन के रोया तूं॥
ऐसी राम जी--

4
ग्वालों में तूं है पहाड़ों में तूं है
कृपा-धाम में बैठा तूं ---- ऐसी ---

श्रीराम

1 भजन नं० 4

जी नहीं करदा सतगुरु,
तेरे तों दूर होवां मैं।
चरना दे नेड़े, ते दिल दे करीब होवां मैं

(2)

तुसी नजर मेहर दी करदे हो,
मैनू विषयां विकारां चों कढदे हो,
चरणा धूल विच तेरी, इस्नान करां मैं॥

(3) जी नहीं करदा

तेरा मेरा है जन्मा दा नाता,
तुसी माता पिता बन्धु भ्राता,
सेवादार बन, प्रीत वाली तार जोड़ां मैं॥

(4) जी नहीं

दासनदासी नू होर कोई चाह नही,
कोई पुछे न पुछे, परवाह नही,
हर रूप विच, तेरा ही दीदार करां मैं॥

जी नहीं करदा.

6

5

दुनियादारी दे कम, साथों मुकदे नहीं,
तेरी माया दे जंजाल साथों छुटदे नहीं,
सतसंग विच हाज़र ज़रूर होवां मैं ॥

6 जी नहीं करदा--

राम जी राम राम
श्री राम
कर कृपा प्रभु दीनदयाला।
तेरी ओर चलूं गोपाला।
रविवार
25.5.08,
3 P.M

श्रीराम

भजन नं० 5

तारेयां दी छावें छावें रामजी आन्दे ने
अपने प्यारियां दा बुहा खड़कान्दे ने

1

जेहड़े सुन लैंदे सतगुरु दी आवाज नूं,
ओह तां, पा लैंदे, त्रिलोकी दे राज नूं,
मिठी मिठी आवाज़, मेरे राम जी लगांदे ने
अपने प्यारियां—

2

जिस घर उत्ते, सतगुरु होंदे हैं, दयाल जी,
पल विच ओहनूं, कर देंदे हैं निहाल जी,
रहमतां दा मींह, मेरे गुरु बरसांदे ने ॥
अपने प्यारियां—

3

उठ के सवेरे जेहड़े, हरी गुण गान्दे ने,
रामजी प्यार, ओहनूं दर्श दिखांदे ने,
सचखंड वाली, ओहनूं टिकट फड़ांदे ने ॥
अपने - - - -

श्रीराम

5

जेहड़े कर लैंदे, सतगुरां दा दिदार जी,
ओह तां हो जांदे, भवसागर तों पार जी,
जमां वाली मार तों, गुरु ही बचांदे ने ॥
अपने प्यारियां --

राम जी राम राम

श्रीराम

कर कृपा प्रभु दीनदयाला।
तेरी ओट पूरी गोपाला।
25.5.08 (3.25 P.M)

श्रीराम

भजन न० 6

1

हरां वाला आया, नी मै शगुन मनावां

वंसी वाला आया, नी मैं सगन मनावां

मुकट वाला " " " "

प्यारा प्यारा " " " "

कृपा वाला " " " "

कृपा करने आया " " "

सगन मनावां, सगन मनावां, सगन मनावां,

मेरा वन्सी वाला आया जी मैं, सगन मनावां, जी

2

सगना वाली रात होवे, सगना दे हेरा सवेर

सगना पिछे मैं जी 2 आवां, मुड़ मुड़ पावां फेरे

सगना मनावां 3 वार

मेरा हारां वाला आया " " "

3

सगन मनावन सखियां आइयां,

सगन मनावन ज्याले
सगना वाली ढोलक वाजे
नन्दलाला के द्वारे
सगन - - - - - - -

3

सगना दा मैं मुकट बनांवा,
सगनां दी पावां माला,
सगना दा पिताम्बर पावे,
मेरा हरां वाला ॥
सगन - - - - - -

4

राधा श्याम दी सुन्दर जोड़ी,
वारी वारी जांवा,
सोहणो दर्शन पावां हरदम,
चरणा कमल चित लावां
सगन मनावां ॥
मेरा हरा - . .

राम जी राम राम
श्री राम
26.5.08 (12.30 Noon)

श्रीराम

भजन नं० 7

जद दे होये गुरां दे दर्शन,
लगियां मौजां ही मौजां ।
जद दे आये, गुरां दी शरणी,
लगियां मौजां-ही मौजां ॥

2.

सतगुरु कर कृपा अपनाया,
साहनूं कागों हंस बनाया,
माटी हो गई कंचन काया,
लगियां मौजां ही मौजां ॥
लगियां मौजां ही मौजां ॥

3

सतगुरु खोल्ले दर दरवाजे,
राजे रंक फकीर निवाजे,
अनहद शब्द नाम धुन बाजे
लगियां मौजां . .

4

जद दे फड़े गुरां दे पल्ले,
साधू सेवा, सतसंग चल्ले,
साडी हो गई बल्ले बल्ले॥
लगियां मौजां ——...

5

सतगुरु दित्ते मेहर दे छट्टे,
साडे सारे झुगड़े मिट्टे,
साडे हो गये भाग चंगेरे॥
लगियां मौजां ——...

6

राम जी नजर मेहर दी कीती,
जिन्दगी बड़ी ही सोहणी कीती,
साडी हो गई गल अनोखी॥
लगियां मौजां ——..

राम जी राम राम
श्री राम
26.5.68 (12.45 NOON)

श्रीराम

भजन नं० 8

तेरे नयनां देयालया तों,
ज़रा पीति ए,
जरा जिनी पीती ए,
थोड़ी जिन पीती ए ॥
तेरे नयनां — -

2

मैनू दुनियां दे लोको, कोई होश न रही,
चुप कीतियां जुनन एह खामोश न रही,
मेरी इक इक गल दा तराना हो गया,
मै दिवाना होगया, मै मस्ताना हो गया ॥
तेरे नयना - .

3

मै गरीब नही वे लोको, मै अमीर हो गया
शाह मिलिया ते, शाही मैं फकीर हो गया,
मेरा धरती तों, उच्चा आसमां हो गया ॥
तेरे नयना - - -

4

जिधर देखदा मै तेरे ही नज़ारे देखदा,
तेरी मुट्ठी विच चंद ते सितारे वेखदा,
मेरे आसे पासे, लालां दा खजाना हो गया,
मै दिवाना हो गया, मैं मस्ताना हो गया ॥
तेरे नयनां - - - - -

5

जल जल विच राम जी दा संदेश दे देओ
गली गली, कूचे कूचे देश देश, दे देओ।
हुण पीना, ते पिलाना, मेरा कम हो गया,
तेरे नयनां - -

6

राम जी राम राम
श्री राम
कर कृपा प्रभु दीनदयालां
तेरी ओर पुकारी जावां
26.5.08 (4 P.M)

श्रीराम

भजन नं० 9

1

बिना राम नाम, मूर्ख बन्दे, जीआ न जीआ,
तूने आयु खो दी सारी, कुछ किया न किया,

2

नाम के समुद्र में, तरने वाले तर गये२,
तेरे जैसे, लाखों पापी, खादे पीदे मर गये,
तूने भरे समुद्र में से, घूट पिया न पीआ,
तूने आयु - —

3

तेरे से तो पशु भी अच्छे दुनियां को सिखला रहे
घास खाया, उस के बदले दूध तो पिला रहे
तूने सकल पदार्थ खाये, बदला दिया न दिया
तूने आयु - - -

4

पिछली कमाई, तेरी, जिस को तू लाया चला।
हीरे जैसे जन्म मिला, मिट्टी में मिला चला।
राम जी राम राम श्रीराम 26.5.08 (4.5PM)
तूने आयु - - -

श्रीराम

भजन नं० 10

हरे राम, हरे राम, हरे राम हरे
हरे कृष्णा, हरे कृष्णा, हरे कृष्णा हरे
हरे राम हरे - - - - .

2

पैसे वालेयो मान न करो, नसीबां दा,
सदा बने भगवान, मेहमान गरीबां दा,
ओहने दुर्योधन दे मेवे ठुकरा दिते, ओहने बिदर दे साग खा लिते। [illegible]
तो वार दिते,
हरे राम - - - -

3

गरीयां बेपरवाह दिया, बेपरवाहियां ने,
तेरे वास्ते न हमतां, लाव बनाइ ने,
तूँ वी कुछ कर बन्देया
जे कर सकना एं, ओहदा सिमरन कर बन्देया
हरे राम हरे - - - - .

4
ओह बेगरज़ है, राम बड़ाई चाहदा नही,
ज़ात बना के, आप नज़र आंदा नही,
पर भक्त निराले ने
पत्थरां चों लभ लैंदे, जेहड़े अखियां वाले ने
हरे राम - - - - -

5
पानी, हवा, ते रोशनी विना, झट लांदा,
मुफ्त भेजदा रब्ब, कदे कुछ मंगदा नही
तूं वी गरज गुलाम न बन,
कर्जा अदा करदे, रेवें नमक हराम न बन,
हरे राम - - -

6
सोच जरा जे, सूरज रब्ब बनांदा न,
आंवां होरा हज़ार, नज़र कुछ आंदा न,
हर चीज़ निराली ए
फालतु न जाणा इस नूं, सब उसदी रखवाली ए
हरे राम - - - - -

7

तेरे मन विच जे, मनमोहन वसिया नहीं
पछतायेगा फेर, न आवी दसया
हर फुल विच हसदा ए, दूर न तूं जाणा- ओही इसनू
तेरे अन्दर वसदा ए

हरे राम - - - .

8

सुण बन्दया जे बह के कदे विचार करें,
इक इक साह नाल, उसदा शुक्र हजार करें,
तां फिर लह जाये भार तेरा
हुण वी तूं नाम जप लै, बेड़ा हो जाये,
पार बन्दया

हरे राम - - - - .

राम जी राम राम
श्री राम दीनदयाल
कर कृपा प्रभु दीनदयाल
तेरी और पूरी गोपाल ?
26.5.08 (4.40 P.M)

श्रीराम

भजन नं० 11

मेरे सत्तगुरु जी तेरे बिना नही रहणा
जदों बुलाइये, जिथे बुलाइये,
तेहानू आणा पैणा॥

मेरे राम जी ---

2 मेरे प्यारे सत्तगुरु जी,
तैनू दिन और रात ध्याइये,
तेरे नाम दी गंगा दे विच,
दिल करदा डुब जाइये,
तेरी रजा विच राजी रह कर,
असां कुछ नही कहणा

3 मेरे राम जी ---

तेरे भरोसे मंजिल दे वल्ल,
टुर पइये ने जेहड़े,
कोई मुसीबत, कोई बिमारी दुख न आवे नेड़े

5 20

तू दाता है, असीं हां मंगते,
तू देणा असीं लैणा,
मेरे राम जी - - .

5

तेरी महिमा दां सतगुरु जी,
पार किसे नहीं पाया,
धन्य है, मेरा हारां वाला,
धन्य है, इसदी माया,
तूँ मेरा है, असीं हां तेरे,
तैनू सब कुछ कहणा ॥
मेरे राम जी - .

6

तेरे नाम दी जोत जगाई,
करनी नाम कमाई,
तेरे नाम दा प्याला पी के,
मस्ती अजब है छाई,
मीरां जैसा प्रेम नहीं है,
अंग संग तेरे रहणा, मेरे राम जी - .

P.T.O

राम जी राम राम
श्रीराम
कर कृपा प्रभु दीनदयाल।
तेरी ओर पूरी गोपाल।
27.5.08 (9.15 AM)

1 भजन न० 12

श्रद्धा नाल गुरां दी शरणी,
सेवक आणा चाहीदा,
होंदे सच्चर दे बेड़े पार,
नही घबराना चाहीदा,
श्रद्धा नाल - - -

2
तारन हार गुरां दा मन्त्र,
करदे रहिए जाप निरन्तर,
लग्गी मैल जो मन दे अन्दर,
उसनू धोना चाहीदा॥
श्रद्धा नाल - - -

3

मन्दे कमां वल्ल न जाइये,
मन नूं सतसंग दे विच ले आइये,
सुरति मन दे विच लगाइये,
मन वस होणा चाहीदा।
श्रद्धा नाल - - -

4

झूठी काया झूठी माया,
रह सब रामजी दी छाया,
आत्मा इस दे विच समाया,
दर्शन पाणा चाहीदा।
श्रद्धा नाल

5

करदे रहिये मन्त्र दा अभ्यास,
जे कर जाणा राम जी पास,
सत्गुरु मन्त्र दा अभ्यास,
हरदम होणा चाहीदा।,
श्रद्धा नाल - - -

6

जब तक बरबादी नहीं है मुक्ति,
तब तक टिकदी नहीं है सुरति,
गलां नाल न मिलदी मुक्ती,
मन वश होणा चाहीदा।

ओड़ा नाल - - -

राम श्रीराम राम
श्रीराम

कर कृपा प्रभु दीन दयाला।
तेरी ओट पूरी गोपाला।
27. 5. 08 (9.30 AM)

श्रीराम

भजन न०13 (तेरा ही तेरा)

1

मेरे सिर पर रख दो, राम जी,
अपने दोनों हाथ,
देना है तो दीजिए,
जन्म जन्म का साथ। देना है - - -

2

देने वाले राम जी प्रभु से,
धन और दौलत क्या मांगू,
मांगें तो फिर रामजी प्रभु से,
नाम और इज्जत क्या मांगू,
मेरे जीवन में अब कर रामजी,
कृपा की बरसात ॥

3

राम जी आपके चरणों की धूलि,
धन दौलत से महंगी है,
एक नजर कृपा की रामजी,

नाम इज्जत से महंगी है,
मेरे दिल की यही तमन्ना,
करूं सेवा दिन और रात ॥
देना है तो दीजिए - -

4

झुलस रहे हैं, गम की धूप में,
प्यार की छाया, कर दो आप,
नय्या डोले बीच भंवर में,
अब पतवार पकड़ लो आप ॥
मेरी जीवन नैया कर दो रामजी,
भव सागर से पार
देना है तो - - .

5

सुना है अपने शरणागत को,
अपने गले लगाते हो,
ऐसा हमने क्या मांगा,
जो देने से, कतराते हो,

चाहे जैसे राखो राम जी,
बस होती रहे मुलाकात।
देना है तो दीजिए ---

राम जी राम राम
श्रीराम दीनदयाल।
कर कृपा प्रभु दीनदयाल।
तेरी आर पूरी गोपाल।
27.5.08 (3.50 P.M)
मंगलवार

श्रीराम
भजन न० 14

मेरे राम जी, दर ते निहाया मैं तां पला
मेरे गोविन्द जी, " " " " "
तेरा मेरा प्यार पुराना,
क्या जाने जग झल्ला,
मेरे राम जी--
ऐ दुनिया मैनू रास न आई,
जिधर देखां, खाई खाई,
P.T.O

आं सां मेरे राम जी प्यारे,
मै नहियो कल्ला,
मेरे राम जी ---

3

राम जी मेरे घट घट वासी,
कटण आये मेरी काल चौरासी,
दुनियां वालो, सच्च कहनी हां,
बण के आये राम जी अल्लाह ॥
मेरे राम जी ---

4

दासी आई बन के सवाली,
मोड़ी न मैनू दर तो खाली,
इक मुट्ठी मैनू खैर दी पा दो,
भर खुशियां दा पल्ला ॥
मेरे राम जी

5

दासन दासी अरज गुज़ारे,
दर्श दिखाओ मेरे राम जी प्यारे,
हृदय वसो मेरे राम जी प्यारे,

दर्शं दिखाओ कल्ला ॥

मेरे राम जी ---

6

राम जी मेरे अन्दरों बोले,
दिल दियां सारियां कुण्डियां खोले,
दुनिया वालो, सच्ची कहन्दी हां,
हो गया कम सत्वल ॥

मेरे राम जी ---

राम जी राम राम
श्रीराम दीनदयाल।
कर कृपा प्रभु (गोपाल)
तेरी ओर चूरी
27.5.08 (4 P.M.)
मंगलवार

श्रीराम

भजन नं० 15

एक प्रेम की गंगा बहती है,
गुरुदेव तुम्हारे चरणों में,
फल मिलता है, सब तीर्थों का,
कर स्नान तुम्हारे चरणों में ॥
एक प्रेम — —

2
मैं जन्म जन्म का भटका हूँ,
अब शरण तुम्हारी आया हूँ,
हम भूले भटके जीवों का,
कल्याण तुम्हारे चरणों में ॥
एक प्रेम — .

3
दुखियों के कष्ट मिटाते हो,
दुख ले कर सुख पहुंचाते हो,
मिले जन्म मरण का छुटकारा,
जो आये तुम्हारे चरणों में ॥

4

जो एक बार दर्शन पाता है,
दिल आप को ही दे जाता है,
क्या गुप्त भरे है भक्ति के,
भंडार तुम्हारे चरणों में ॥

एक प्रेम - - - -

5

जन्मों का बिछड़ा शरण पड़ा,
हाथ जोड़ तेरे द्वार खड़ा,
चौरासी का काटो चक्कर,
है दास तुम्हारे चरणों में ॥

एक प्रेम - - - .

राम जी राम राम
श्रीराम
कर कृपा प्रभु दीनदयाला
तेरी ओर पुरी गोपाला
28.5.08 (12.35 NOON)

भजन 16

1

नही चाहिए दिल दुखाना किसी का,
सदा न रहा है, सदा न रहेगा,
जमाना किसी का,॥

नही चाहिए -----.

2

आएगा बुलावा तो जाना पड़ेगा,
सर तुम को आखिर झुकाना पड़ेगा,
वहां न चलेगा बहाना किसी का ॥

नही चाहिए - - - .

3

औरत तुम्हारी बह जायेगी यह,
दौलत यही पर, रह जायेगी यह,
नही साथ जाना, खजाना किसी का॥

नही चाहिए - - .

4

पहले तो तुम अपने आप को संभालो,
कभी नही बुराई औरो में निकालो,
बुरा है जग में बताना किसी का ॥

5

दुनियां का गुलशन सदा ही रहेगा,
यह तो जहां में लगा ही रहेगा,
आना किसी का जग में, जाना किसी का जग से
नहीं चाहिए ---

राम जी राम राम
श्री राम
कर कृपा प्रभु दीन दयाला।
तेरी ओर पूरा गोपाल)
28.5.08 (12.45 Noon)

श्रीराम

भजन न० 17

मै प्रभु जी तेरे देश नूं, आवां ते आवां
पया जजांला दिआं बेड़ियां, (किस तरह)
पैरां ते लाख्वां किस तरह,
दूर के आँखियां नाल आवां,
दिल ते मेरा चाहदां,
पर प्रभु जी इन्हा आखियां दे,
पैर बनावा किस तरह॥
3 मै प्रभु जी----.
मेरे जोहिया तैनू लख्खां ने,
पर तेरे जेहा मैनू कोई वी न,
अपने प्यारे प्रीतम नूं
मैं रिझांवा किस तरह॥
राम जी राम राम मै प्रभु जी ---
श्रीराम 28.5.08 (5.5 PM)
बुद्धवार

श्रीराम

भजन् नं० 18

बिन किस्मत जपया नही जांदा,
मेरा सांवलशाह गिरधारी,
बिन भागा जपया नही जांदा,

2 मेरा सांवलशाह --

हिम्मत कर सतसंग विच आवन,
पाप कर्म रुकावट पावन
मै जावां बलिहारी, बिन किस्मत जपया
नही जांदा
मेरा सांवलशाह ---

3

हिम्मत कर जे मुख नूं खोले,
लगे न विरति मन पया डोले,
मारदा फिरे उडारी, बिन किस्मत जपया
नही जांदा
मेरा सांवलशाह --

राम जी रामराम
श्रीराम
28.5.08 (5.61 pm)

श्रीराम

1 भजन नं० 19

मेरा होवेगा किंव निस्तार । कन्हैया

अवगुण मेरे करोड़ ने,

की की, अवगुण मै खोल सुनावां,

किस किस दी मैं गल बखशावां,

तूं है बखशनहार कन्हैया,

2 अवगुण मेरे - - - - .

अवगुणां दी जद याद मैनू आवे,

जिंद निमाणी मेरी गोते पई खावे,

तूं हैं जाणी जानणहार कन्हैया,

अवगुण मेरे - - - .

3

जद दी मैं, इस जग विच आई,

कीती न कोई नेक कमाई,

तूं है, समझावनहार कन्हैया ॥

राम जी राम राम अवगुण मेरे ---.

श्रीराम 29-5-08

श्रीराम

भजन नं० 20

1

छम छम नाचे, देखो वीर हनुमाना,
कहते हैं लोग, इसे राम का दिवाना,
राम राम सियाराम - - - - - -.
छम छम नाचे वीर हनुमाना ॥

2

पांओ मे घुंघुरू बांध के नाचे,
राम जी का नाम इसे प्यारा लागे,
राम जी ने भी इसे खूब पहचाना ॥
छम छम नाचे - - - - - .

3

जहां जहां कीर्तन होवे श्रीराम जी का,
लगता है पहरा वहां वीर हनुमाना ॥
छम छम नाचे - - - - -

4

नाच नाच देखो, श्रीराम को रिझाए,
बनवारी रात दिन नाचता ही जाये,

भक्तों में भक्त इन्हें दुनियां ने माना।
धम धम धम नाचे-- --

राम श्रीराम राम
श्रीराम
कर कृपा प्रभु दीनदयाला।
तेरी ओर पूरी गोपाला
29.5.08 (6AM)

श्रीराम

भजन नं० 21

1

जीवन दा मैनू, आनन्द आ गया,
जदों दा मैं रूह शहनशाह पा लिया,
जीवन दा - - - - - -

2

न रहिया दुख, ते न रही बिमारी,
जदों दा मैं कीता, दर्शन इक वारी,
पता नहीं केहड़ी दवा पिला गया,
जदों दा - - - - .

3

नय्या मेरी डामाग डोले, भवसागर विचकार
पार उतारन मल्लाह आ गया। विचकोल
जदों दा - - - - - -

4

सतगुरु मेरे अन्तरयामी, दिलों दियां जानें मेरे स्वामी
धरती ते बन के खुदा आ गया। जदों दा - - -

5

पैसा न धेला, न मेरे पल्ले,
मान करां मैं दाता केहड़ी गल्ले,

उच्चे खजाने नूँ. इथ पा लइया,
जदों दा मै ----
जीवन दा मैनू आनन्द आ गया,
जदों दा मै. एह शहँशाह पा लया।

राम जी राम राम
श्रीराम
कर कृपा प्रभु दीनदयाला
तेरी ओर दुरी जो पाला
1.6.08 (4 p.m)

श्रीराम

भजन नं० 22

1

ओह गरीब नवाज़ मेरी बांह फड़ ले,
मैनू पार करन दी, तूं हामी भर ले,
ओह - - - - -

2

जिन्हा राहवां तो मेरे सतगुरु आवन,
ओहना तो फुल बरसांवा,
सत्गुरु नू मैं नाल बिठा के,
दिलां दा हाल सुनावां,
सुनदे सुनदे जद थक जावन,
कोमल चरणां दबावां,
एह पल मेरा बीत गया,
मैं अगला किवें बितावां, ओह गरीब - - - .

3

दुनिया दे दुख सह सह के
मैनू चढ़या रंग सवाया।
लोकां ताहने दे दे के मैनू पक्का होर बनाया।

पल्ला तेरा नही छडना, तैनू अपना मीत
बनाया

ओह गरीब ----

4
किसी दे अवगुरा, की मैं तक्कां,
अपने तक तक रोवां,
चारों पल्ले मेरे कीचड़ भरे,
बैठ किनारे रोवां,
साबन थोड़ा मैल घनेरी,
किवें मै उजली होवां,
जद मिल जावन पूरे सतगुरु,
तद मैं उज्जली होवां।

ओह गरीब ---

राम जी राम राम
श्रीराम दीनदयाला
कर कृपा प्रभु गोपाला
तेरी ओर पूरी
1.6.08 (4.20 p.m)

श्रीराम

1 भजन नं० 23

मेरे प्यारे राम जी ने, अज रहमतां लुटाइयां ने,
रहदी दया मेहर देख के, अखियां भर आइयां ने,

2 मेरे प्यारे राम जी----

रहदी दया मेहरां दा, कोई वी हिसाब नहीं,
कितने दयाल राम जी, कोई वी जवाब नहीं,
रहदी कृपा सुन सुन के, संगतां दूरों चल आइयां ने

मेरे मेरे प्यारे राम जी----

3

गलियां च रुलदे सी, तुसां गल लाया ए,
नाम वाला धन दे के, धनवान बनाया ए,
नाम वाला जाम पी के, अज मस्तियां छाइयां ने

4 मेरे प्यारे राम जी--.

मेरे प्यारे राम जी दे, भरे ने भंडारे जी,
खाली कोई मुड़या नहीं, झोली भरदे सारे जी,

मेरे प्यारे राम जी ने,
मन दियां प्यासां बुझाइयां ने,

5

मेरे प्यारे राम जी दे, भरे ने भंडारे जी,
खाली कोई मुड़दा नही,
झोली भरदे सारे जी
मेरे प्यारे राम जी —.

राम जी रामराम
श्रीराम
कर कृपा प्रभु दीनदयाला।
तेरी ओट पूरी गोपाला।
1.6.08 (4.25 pm)

श्रीराम

1 भजन नं० 24

हारां वाला मेरा साईं वे,
असां ला लईयां यारियां,
लालईयां यारियां जग तो न्यारियां,
हारां वाला ----

2
रोज सवेरे मै कृपा धाम जाऊ,
कृपा धाम से, मै ज्ञान कमाऊ,
आ के ज्ञान सिखाई वे, असां ला लईयां -
यारियां..

हारां वाला मेरा ----.

3
लोकी मैनू देवन ताहने, देवन ताहने
देवन ताहने
आके लाज बचाई वे, असां ला लईयां
यारियां
ला लईयां यारियां, जग द तो न्यारियां

हारां वाला मेरा ----

4

असां वी तेरे नाल प्रीतां पाइयां,
परीतां पाइयां, परीतां पाइयां
प्रीत दी रीत निभाई वे...

राम जी राम राम
जी राम
कर कृपा प्रभु दीनदयाला ।
तेरी ओट पूरी गोपाला ॥
1. 6. 08 (4.30 p.m)

श्रीराम

भजन नं० 25

1

मेरे सतगुरु पीरां दे पीर

मेरा मन रगंया गया

रगंया गया जी, मन रगंया गया,

नाले बादशाह, ते नाले फकीर,

मेरा मन ---- ~

2

सुध बुद्ध भूली, मन तन मन की,

चिन्ता छूटी जन्म मरण की,

मैं तॉ हो गई मालो माल,

मेरा मन रगंया गया। मेरे सतगुरु ---

3

पाठ प्रेम दा ऐसा पढ़ाया,

जिस दा नशा मन नु चढ़्या,

होवे चरणा च मेरी आखीर।

मेरा मन रगंया गया। मेरे सतगुरु ---

4

नाम दे रंग विच गई मै रंगी,
मंदी तौ मै, हो गई चंगी,
मै तॉ हो गई बड़ी अमीर,
मेरा मन रंगाया गया।
मेरे सतगुरु - - -.

5

गुरा दी दित्ती नाम दी मस्ती,
भुल गई मैनू मेरी हस्ती,
मैनू मुफत दी मिली जागीर,
मेरा मन रंगाया गया, मेरे सतगुरु - -

राम जी राम राम
श्रीराम
कर कृपा प्रभु दीनदयाल।
तेरी ओर पूरी गोपाल।
2.6.08 (9 AM)
सोमवार

श्रीराम भजन नं० २६

1

थोड़ा ध्यान लगा, थोड़ा ध्यान लगा।
गुरुवर दौड़े दौड़े आयेंगे,
अखियां मन की खोल,
तुमको दर्शन यह करायेंगे,
तुझे गले से लगायेंगे थोड़ा ध्यान लगा ---

2

है राम रमैय्या यह, है कृष्णा कन्हैया यह
यही मेरे ईश हैं,
निष्काम राहों पे चलना सिखाते जो,
यह ही जगदीश हैं- हो हो .....
प्रेम से पुकार, प्रेम से पुकार तेरे पास दौड़े आयेंगे
तुझे गले से लगायेंगे ---
थोड़ा ध्यान लगा ---

3

कृपा की छाया में बिठायेंगे तुम को,
जहां तुम जाओगे हो हो ....

4

उन की दया हरि जब जान पड़ेगी तुमपे
ये भव तर जाओगे – हो है ----
ऐसा है विश्वास, ऐसा है विश्वास,
मन में ज्योति यह जगायेंगे
तुझे गले से लगायेंगे
थोड़ा ध्यान लगा----.

5

ऋषियों ने मुनियों ने, गुरु शिष्य महिमा का,
किया गुणगान है गुरुवर के चरणों में,
झुकती सकल सृष्टि झुके भगवान् हैं।
महिमा है अपार, महिमा है अपार,
सच्ची राह यह दिखायेंगे, तुझे गले से लगायेंगे
थोड़ा ध्यान लगा ---
गुरुवर दौड़े चले आयेंगे, थोड़ा ----

राम जी राम राम
जीराम
23.6.08 (7AM)

भजन नं० 27

नाम रस का प्याला जब से पिया,
हम तुम्हारे हुए तू हमारा हुआ।

तेरी मुरली का जादू ऐसा हुआ,
हम तुम्हारे हुए तू हमारा हुआ।

2

तान सुनते ही तेरे दर आ गई,
छोड़ दुनियां के सारे मैं डर आ गई,
जब रहमत का तेरी इशारा हुआ,
हम तुम्हारे हुए तू हमारा हुआ।

3

मुरली ऐसी सुनी दुनिया ही भूल गई,
तेरे प्रेम के रंग में रंग ही गई,
इस दुनिया से मेरा किनारा हुआ,
हम तुम्हारे हुए - ....

4

बड़ी मुश्किल से नाता यह सच्चा हुआ

सच्चे संतो के संग से पक्का हुआ,

सांवरे से मिलन यह प्यारा हुआ,

हम तुम्हारे हुए - - - - .

5

याद में श्वास आते जाते हैं,

प्रेम तेरे में रोते गाते है,

पलकों में बसेरा तुम्हारा हुआ,

हम तुम्हारे - - - - - -

6

मन की बगिया थी सूनी अब खिल गई,

तेरे प्रेम की ज्योति अब जल गई,

दूर अज्ञान मेरा सारा हुआ।

हम तुम्हारे हुए - - - - - -

7

नाम रस का प्याला - - - -

रामजीराम राम

23.6.08 (7.10 AM)

भजन 28

1 मिट्ठे लगदे गुरुजी तेरे बोल वेले अमृत दे,
वेले अमृत दे------
रहिए तेरे चरणां दे कोल वेले अमृत---

2 अमृत वेले उठ करां इश्नान जी,
ऐसी करो दया मैनूं बिसरे न नाम जी,
साहनूं रख चरणा दे कोल वेले अमृत---

3 सच खण्ड वसदा है सोहणा निरंकार जी,
घर घर देखदा है नज़र निहाल जी,
मेरे मन दे द्वारे खोल वेले ------

4 अपणा बना लो मैनूं दरों ठुकराओ न,
कृपानिधान दाता दूसरा दिखाओ न,
मैनु पये न नींदर दी झोल वेले ----

5 53

अमृत दा दाता तूं हैं कोर ब्रह्माण्ड दा,
अमृत पिला दे मैनूं नाम दे रंग दा,
देवो जीवन दे विच रंग घोल
वेले----

6

बख्शा दे दाता तेरा बड़ा दरबार जी,
पातशाह पातशाह अपरम्पार जी,
मेरे साईं तेरा नाम अमोल,
वेले---

7

रसना ते बैठ सदा कीरतन कराओ जी,
बाणी दा प्यार मेरे हृदय विच पाओ जी,
हर दम बोलां तेरे बोल
वेले---

8

मै हां तेरे कूकरों दा कूकर तेरे दर दा,
गान्दे रहिए कीरतन सदा तेरे ही नाम दा,
हरि जी लगो न तती मैनू झोल वेले --.

राम जी राम राम
श्रीराम
23. 6.08 (7.30 A.M)

भजन 29

1 मन तुम संग लगा है, जय राधे श्याम - - .
जय राधे श्याम, जय जय राधे श्याम - - -.
मन तुम संग - - - - -

2 देखा है श्याम तेरे सिर पे मुकट,
इसमें हीरा जड़ा है जय राधे श्याम - - -

3 देखी है श्याम तेरे होठों पे मुरलिया। 2
जिस में जादू भरा है जय राधे श्याम 2

4 देखा है श्याम तेरा श्वेता वस्त्र
जिस में गोटा लगा है जय राधे श्याम - - .

5 देखे हैं श्याम तेरे कानों में कुण्डल
जिस में हीरा लगा है, जय राधे श्याम - - -

6 देखी हैं श्याम तेरे चरणों की पायलिया,
जिस में घुंघरु लगा है जय राधे - - -

7

देखी है श्याम तेरी मात यशोदा

जिसमें गुस्सा बड़ा है, जय राधे - —

8

देखी है श्याम तेरी राधा रुक्मणी

जिन में नखरा बड़ा है, जय राधेश्याम-

9

देखी है श्याम तेरी प्यारी प्यारी संगत -

जिसमें प्रेम बड़ा है, जय राधेश्याम - -

जय राधेश्याम जय जय राधेश्याम।

मन तुम संग लगा है " " "

राम जी राम राम

श्रीराम

23.6.08 (7.30AM)

भजन न० 30

1

तैरे चरणाँ विच्चलैते जिन्दगानी,
एहो अरदास मेरी है,
लगी प्रीत मेरी 2 तोड़ निभानी
विनती एह खास मेरी है।

2. तेरे चरणा बिच---

वृथा न जाँदी तुहाडे ओ अरदास जी,
मगाँया जो असाँ तुस्सी पूरी कीति आस जी,
अपने चरणाँ तों दूर न हटाँवी
विनती ए खास मेरी ए। तेरे चरणा --.

3

तेरे दर बाजों दाता होर कोई थाँ नहीं,
तेरे सिवा मेरी फड़ी किसे बाँह नहीं,
अपने सतसंग तो दूर न हटांवी
विनती ए खास मेरी ए तेरे चरणा---

4 57

दान देवो सेवा सिमरन सतसां दा,
आप दे भंडारे विचो एहो कुछ मंगदां,
मेरी झोली विच नाम खैर पावीं,
विनती ए खास मेरी ए।

5 तेरे चरणां- - -

दासन दासी दी एहो अरजोई,
राम जी बाझो मेरा होर न कोई,
श्वास श्वास विच नाम जपां तेरा,
विनती ए खास मेरी ए।

तेरे चरणां- - -.

राम जी राम राम
श्री राम
23. 6. 08 (4 P.M)

शब्द 31

1

मेरा तड़पदा है दिल, सतगुरु आ छेती मिल,
न भुलांगा साहनूँ आके दर्श दिखान।।

2

याद राम जी जदों तेरी आवे,
तपदा दिल मेरा चैन न पावे,
दास दे भेद ओ खुल, प्रेमी जावे न भुल
ओ ठिकाना, साहनु आके---.

3

दिसदा तेरे जेहा न कोई सानी
ऐथे ओथे दोहां जहानी
थां थां तैनू पई टोलां, मैं जिन्दगी नू रोलां
बनदिवान। साहनू--- —

4

संगत बाग तेरी है आली,
तूँ तां मेरे चमन दा है माली,
बूटा नाम दा ला, पानी सतसंग दा पा
रूवाब महाना- साहनू------

5

सब दे मालिक पालन हारे,
दर्श दिखा मेरे श्याम प्यारे,
उठ के गले नाल ला,
प्रेमी गावे सदा यह तराना।
साहनू ---

मेरा तड़पदा है दिल -----

राम जी राम राम
श्रीराम
23.6.08 (6.15 P.M)

भजन 32

खा लो, खा, लो जी राम नाम के लड्डु

श्रीराम श्रीराम ---.

2

बहनों खा, लो, जी राम नाम के लड्डु

भाइयो खा, लो, जी राम नाम के लड्डु

श्रीराम श्रीराम ---- -.

3

राम नाम के लड्डु खाकर शंकर जी अलमस्त हुए,

गौरीशंकर कर परिक्रमा पूजन आज समाप्त हुए,

4

है यह नादिया नादिया रे राम ----

वालमिकी ने उलटे खाये फिर भी सम्मान हुए,

मोदक के बल लांघ महाबली हनुमान हुए,

सीता की सुधि पाए जी राम ----

5

तुलसी ने श्रीरामायण में लड्डु भर भराडार दिये,

खुद भी खाये मन को विलाये जग का मन उपकार किये

भव सिन्धु के तैरैया जी राम नाम ---- -

नरसी और मीरा ने खाये और खाये रविदास,
सूर कबीरा धन्ना खा कर गये प्रभु के पास,
है मोदक दिलैया जी - - - - -
राम नाम के लड्डु खा कर भक्तो तुम तर जाओगे,
तर जाओ फिर तुम लौट कर न आओगे,
है पार करैया जी राम - - - -.
खा, लो, खा, लो जी - - -.
श्रीराम श्रीराम श्रीराम - -

राम जी राम राम
श्रीराम
23.6.08 (4.30 P.M)

भजन 33

ॐ ते प्यारी सारी दुनियां,
साहनू राम जी जेहा कोई प्यारा न,
जेहड़ा कदम कदम ते रक्षा करे,
रेहंदे वर्गा रावन हारा न,

2

चाहे महल चौबारे मिल जावन,
चाहे भरे भंडार मिल जावन,
गुरु चरणां नू छड के गुरमुख दा,
दुनियां दे विच गुज़ारा न,

3 ॐ ते - - -

तेरी शोभा सुन के आ बैठी,
मै वी तकदीर जगा बैठी,
जिस दिन तों चरण तेरे चुम लेने,
मेरा डुबया कोई सितारा न,

ॐ ते - - -

साहनूं जिधर राम जी विठा दें दें,
सुखां दा मिंह वरसा दें दें,
पत्थरां विच कीड़े पाल रहिया,
एहदे वरगा पालन हारा ना।
ऊँजा ते – – –

5 आओ रामजी, तो कद्द वर मंगीये,
सेवा सिमरन सतसंग मंगिए,
नित कृपा मंगिये राम जी दी,
फिर मिलना जन्म दुबारा ना
ऊँज ते – – –

राम जी राम राम
श्री राम
23.6.08 (4.40 P.M)
सोमवार

निर्जला एकादशी का शरबत

नाथ मै थारो जी थारो 2

जो मै कुटिल, कुटिल और कामी,

रामजी - - - -.

2

जो कुं है कुटिल और कामी

जो कुछ हौं सो थारो रामजी - - -.

3

क्षमा करो प्रभु अवगुण मोरे,

आगे की सुध धारो। रामजी - - - -

आपन विरदु राखो मेरे स्वामी,

भव जल पार उतारो। रामजी - - -.

राम जी राम राम

23.6.08 (4.58 pm)

सोमवार

भजन 35

तेरा शुक्रिया है तेरा शुक्रिया है,
मुझे तूने मालिक बहुत कुछ दिया है।

2

न मिलती मुझे जो रहमत तेरी 2
तो क्या थी ज़माने में औकात मेरी 2
यह बन्दा तो तेरे सहारे जीआ है।
तेरा ----

3

तेरा ही दिया सब पाता हूँ मालिक,
तेरी बन्दगी से बन्दा हूँ मालिक,
तूने ही जीने के काबिल किया है।
तेरा ----

4

कर कृपा प्रभु दीनदयाल।
सुख सागर पूर्ण कृपाल।

राम जी राम राम
श्रीराम
23.6.08 (4.40 P.M)
सोमवार

भजन 36

भोग लगाने का भजन -

मेरे मन में तो यही बड़ा चाव 2

मै खाते देखुं हरि हरि 2

2

चलो सखी कही छिप कर बैठे मनमोहन के पास

कैसे खाये राधा प्यारी, कैसे खिलायें हरि आप,

मै खाते - - - - -

3

मटक मटक कर माखन खाये,

और खाये दही भात, 2

हमें देख शरमा न जाये 2

खाने दे दोनों को साथ 2

मैं खाते देखुं - - - .

रत्न जड़ित सिंहासन बैठे

जटा जूट रही साजा, कैसी छवि है प्यारी 2

निरखत रहूँ दिन रात

मैं खाते – –

सोने की थाली में भोजन लाई,

गंगा जल लाई साथ,

चांदी वरक पान गुजराती,

मुख में धरियो संभाल।

तेरे होठ हैं लाल गुलाल।

पूरी करो मेरी आस,।

मैं खाते – – –

राम जी राम राम

श्रीराम

23.6.08 (SPM)

सोमवार

भजन 37

मुझे इतना दिया मेरे बाला।
अजंनी के लाल।
सुनो मै मालो माल हो गया।

2

यों तो जग में करोड़ो पुजारी हैं तेरे 2
बाला मिलते हैं सहारे तेरे
पर मेरे जैसा नाचीज़, तूने संसार से ज़्यादा दिया,

3

मै सब से हुं भाग्यशाली,
मै तो मालो माल हो गया।
मेरे बजंरग बाला मै निहाल हो गया।

4

नाम शोहरत सभी तूने मुझे दे दीया,
एक मै हूं कभी शुक्रिया न किया,
कब यह उतरेगा कर्ज बाला तेरा,
जीवन भर बन जाऊ नौकर तेरा,

मैंने सेवा तेरी से यह पा लिया,
तन से मालो-माल हो गया।
सुनो मैं -----
राम जी राम राम
23.6.08 (5.10 P.M)
सोमवार
श्रीराम --

भजन 38

द्वारे तेरे आई मुख मोड़ न
तेरे बिना मेरा कोई होर न

2

मेरे अनंत पाप जेहड़े गिणे नही जाँवदे,
पापियाँ दे नाल सागर मिलनही जांदे,
मेरे पापां वल वेख, नाता तोड़ न,
तेरे बिन मेरा कोई होर न।
द्वारे तेरे - - -

3

द्वारे तेरे आई दाता चरणी लगाई तूं,
निर्धन जाणा के क्यों पल्ला छोड़ीन तूं,
भरे ने भंडारे कोई थोड़ न
तेरे बिना - - - - -

4

आशा निराशां होइयां दिलदियां मेरियां,
हर पासे दिसदियां दुखां दीआं अधेरियां,
विच मझधार मैनू छोड़ न तेरे - - -

5 71

धरती आकाश अम्बर जर्री जर्री छान के,
अलाव जगाइ सत्गुरु तेरे दर आन के,
भरो मेरी झोली खाली मोड़ न
तेरे बिना - - -

द्वारे तेरे आई मुख मोड़ न,
तेरे बिन मेरा कोई होर न।

राम जी राम राम
श्री राम
24.6.08 (4 P.M)
मंगलवार

भजन 39

1

खुशियां मनाओ, अज मौज मनाओ,
हर कोई रहे बोले मेरे गुरां ने आना,
खुशियाँ - - - - .

2

कलियुग नूं गुरु स्वर्ग बनावे,
भेद भाव दा भरम मिटावे,
गुरु मेरे की महिमा न्यारी,
महिमा गावे दुनिया सारी,
मेरा मन - - - - -

3

गुरु अपने तों सदके जावां,
माखन मिश्री दा भोग लगावां,
भातां दा मन वी बोले,
मेरे गुरां ने आना,
खुशियां - - - - .

4

गुरु मेरे दा सतसंग प्यारा,
बैकुण्ठ पति दा होवे द्वारा,
अमृत रस रुह घोले,
मेरे गुरां ने आना,
खुशियां - - - -

राम जी राम राम
श्रीराम
24.6.08 (4.20 P.M)
मंगलवार

भजन 150

लाखों दरबार दुनियाँ मे यूँ तो तेरे दर का कोई
दर नहीं है
जो भी दर पे तेरे है आया, डूबने का उसे डर नहीं है,

2

लाखों - - -

तूने तोड़ा है माया का घेरा, मेरे जीवन में
किया है सवेरा,
तुमने हर लिया दुःख हर मेरा, और सहारा कोई
तुम सा नहीं है,

3

मेरी दुनिया तेरे बिन अधूरी तू ही करता है,
खुशियां पूरी,
खत्म कर दे यह दाता सब दूरी, तू नहीं है
और कुछ नहीं है

4 लाखों - - - -

तुम ने ज्ञान की ज्योति जगाई
हर बुराई मन से हटाई
तेरे दर्शन से मिली है जो शान्ति वह कोई और
पाई नहीं है —

5

तुम ने कितनों को भव से है तारा,
सदा हित ही किया है हमारा,
मेरी भव की इस इनय्या का प्रभु जी
कोई तुम सा किनारा नहीं है

6

तेरे दर्शन से चैन है मिलता,
तेरी किरपा से जीवन है खिलता,
तेरी मर्जी बिना तो जहां में,
एक पत्ता भी हिलता नही है।

7

तेरा नाम है सब से पावन,
तेरे दर्शन हैं अति मन भावन,
तुम को मै अपने दिल में बसा लूँ,
दूसरा कोई अपना नही है।

8

सच्चा तूं ही मालिक करतार है,
सारे जग का तूं तारन हार है,
तेरे बारे में अब क्या कहु मैं, तेरी लीला का वर्णन नही है

भजन न० ।

सेवादार हाँ गुनाहगार हाँ कुछ कह नहीं सकदा
दुःखाँ दे विच रह के भी दुख सह नहीं सकदा।

2

बख्श लवो दाता गलपल्ला पाया 2
अवग्गुणा कर के मैं बहुत पछताया 2
कर के दया हुणा माफ जी,
रखो पास जी, मै भुल बख्शावाँ
मौज तुहाडी विच रह के जी मैं
शुक्र मनावाँ। सेवादार - - - -

3

हुक्म आप जी दा कदे न मोड़ा 2,
रख लवो चरणां विच हथ पया जोड़ां 2,
विनती है मेरी खास जी,
मैं तेरा दास जी,
सदा दर ते आवां,
मौज तुहाडी विच रह के जी मैं झूलें वर्साओ

भजन 42

तेरेआं चरणां नाल, मेरा जो प्यार है,
होर वधे दाता होर वधे,
न पूजा माया नूं करां मैं तेरी ही पूजा,
मेरे दिल विच वस्स गया तूं न आवे
होर कोई दूजा,
तेरेआं भक्तां नाल मेरा जो प्यार है,
होर वधे राम जी होर वधे
२ तेरेआं - - - -
सिर रखया रहे चरणां ते,
दासन दास ही रखवीं,
मै तेरी हां सतगुरु तूं
अपने पास ही रखवीं,
तेरेआं चरणां नाल मेरा जो प्यार है,
होर वधे दाता होर वधे,
जन्मां जन्मां दा २ मेरा जो प्यार है
होर वधे, राम जी होर वधे।

3

ओह बोल बुलावीं तूँ जे तेरे मन नूँ आ जावन

ओह कम करावीं तूँ जे तेरे मन नूँ आ जावन,

जन्मा जन्मा दा मेरा जो प्यार है,

होर वधे राम जी होर वधे ।

रामजी राम राम

श्रीराम

25.6.08 (1 p.m)

बुधवार

भजन 43

हरि आप हो मेरे हरि, हरि आप हो मेरे हरि
3 हरि आप हो मेरे हरि, हरि आप हो मेरे हरि

2

मैं बात करूँ तो आप से, सम्बन्ध रखूँ तो आपसे
यह जगत है सब स्वार्थ से,
हरि आप हो मेरे हरि ।

3

यह चार दिन की आयु है,
सब व्यर्थ बीती जा रही,
कुछ भी कमाया है नहीं,
सब यूँ ही बीती जा रही

4 हरि - - - -

अब तो कृपा करो हरि
अब भी सभंल जाऊ हरि
कुछ नाम कमाऊ अब हरि

कुछ पुण्य कमाऊँ अब हरि
हरि - - - - -

5
कई जन्मों से मैं बिछुड़ा हरि,
कई सदियों से मैं बिछुड़ा हरि,
हरि अब तो आन मिलो हरि 2,
हरि आप - - - - -

6
अब तो दया करो हरि 2
मुझे प्रेम दे दो अब हरि 2
मोहे शान्ति दे दो अब हरि 2
हरि आप - - - - .

राम जी राम राम
श्रीराम
25.6.08 (3.20 P.M)
बुधवार

भजन ५५

पाइयाँ तेरे दर तो मैं रहमतां हज़ारां,
शुक्र गुज़ारां तेरा शुक्र गुज़ारां,

2

कौड़ियों दा मुल नहीं सी, हीरयां दा पैगया
जदों दा दाता तेरे दर उत्ते ढह पया,
श्री राम बोलदियां, मन दियां तारां,

शुक्र - - - - -

3

दर दर रूलदे सी किसे न सम्भालिया
मेहर कीती दातिया तूं गले नाल ला लया,
चों वेले सुण लइयां मेरियां पुकारां

शुक्र - - - -

4

मिलदा न जिन्दगी नूं जिन्दगी दा हल सी,
बाझ तेरे सकियां मुसीबतां न टलसी,
क्यों न दाता तेरे उत्तों तन मन वारां

शुक्र - - - - -

5
सुख देवे आनन्द देवे कोल विच पालवा,
सुखां नू वी दाता मैं आनन्द विच मिलांगे.
जेहड़ा वेला आवे ओनु हस के गुजारां

6 शुक्र मनावां - - -
रहमतां नू वेख आवां हल पइयां रोदियां,
असी तेरे कौन साथों सिफतां न होदियां,
क्यों न दाता तेरे उतों जिन्द जान वारां,

राम जी राम राम शुक्र - - - - .
श्रीराम
25.6.08 (3.45 P.M)
बुद्धवार

भजन 45

1

सोहणो लगदे ने महल चौबारे जिथे सतसंग

लगदा

ओथे आदें ने राम जी प्यारे, जिथे - - -

2.

सतसंग मिलदा वड्डे कर्मा दे नाल जी,

सतसंग करदा सजना नूँ निहाल जी,

मेरे राम जी रोज़ समझांवदे

जिथे - - -

3

सतसंग दे विच मोती हीरे,

मिलदे ने पर धीरे धीरे,

कोई सोचे ते वैठ के विचार

जिथे - - -

4

सतसंग मिलदा, वड्डे कर्मा दे नाल जी,

सतसंग दी न पुछो कोई बी दात जी,

सतसंग विच रोज़ा रोज आयें।

जिथे - - - -

राम जी राम राम
श्रीराम
25.6.08 (4 P.M.)
बुधवार

भजन 56

श्रीराम की गली में तुम जाना,
वहाँ नाचते मिलेंगे हनुमाना,

2

उन के तन में है राम, उन के मन में है राम,
अपनी आंखों से देखें, कण कण में वह राम,
श्रीराम जी के हो गये दिवाना वहां नाचते
वहां नाचते मिलेंगे हनुमाना,
श्रीराम की - - - - - -

3

ऐसा राम जी से जोड़ लिया नाता 2,
जब भी देखो उन्हीं के गुण गाता 2,
श्रीराम जी के चरणों में ठिकाना 2,
वहां नाचते - - - - .

4

उन से कहना राम, राम, वह कहेंगे राम राम,
कुछ सुनेंगे नही, बस सुनेंगे राम राम,
महा मन्त्र है भूल न जाना, वहां नाचते मिलेंगे
हनुमाना - .
श्रीराम - - - - - - -

भजन 47

1
भगवान एहो अरदास मेरी ए,
मेहरबान चरणाँ दे पास मेरी ए,

2
तेरेआँ चरणाँ ते सिर रक्खाँ,
धोवां चरणा मैं भर भर अक्खाँ,
तू उठावे तां सिर चक्कां,
दयावान विनती ए खास मेरी ए,
भगवान एहो - - -

3
तेरेआँ गीतां बाझ न जीवाँ,
भर भर नाम प्याले पीवाँ,
मेहरबान जन्माँ दी प्यास मेरी ए,
भगवान - - -

4
आ हुण चरणा नाल लगा लै,
तसयाँ थमनियां तो बचा लै,
बूँद समुद्र विच समा लै,
ज्ञान आतमा उदास मेरी ए - - -

भगवान रहे---

5

तेरे चरणाँ दी मैं दासी,
तेरे प्रेम दी मैं हूँ प्यासी,
मेहरवान जिन्दगी दी प्यास मेरी ए,

भगवान रहे---

6

तेरा गाये सदा तराना,
मेरे रामजी, भूल न जाना,
प्यारा 2 दर्श दिवाना,
करुणा वान विनती ए खास मेरी ए,

भगवान रहे---

7

आपने सारा जगत बनाया,
सब नू अपने धन्धे लाया,
मैनू अपनी सेवा लाया,
दया वान किरपा ए खास तेरी ए।

भगवान रहे---

रामजी राम राम
श्रीराम
26.6.08 (8 A.M)
वीरवार

भजन 48

मेरा रूठे न मोहन प्यारा, चाहे सारा जग रूठे
ओ चाहे सारा जग रूठे या जहान रूठे,
मेरा - - - .

2

मै तेरी हूँ तू है मेरा
हो गया तुझ से प्रेम घनेरा,
तेरे बिना सारे जग में अन्धेरा
चाहे सारा - - . .

3

मुझसे अपना प्रेम बढ़ा दे,
मन मन्दिर में ज्योति जगा दे,
तेरे प्रेम ने सारा जग तारा,
चाहे - - - - -

4

तेरे बिना न मैं जीना चाहूं,
चरणों में ही रहना चाहूं,
तेरे साथ मुझे मरना गवांरा,
चाहे सारा - - -

राम जी राम राम
श्री राम
26.6.08 (4 PM)

भजन 49

1

तेरे चरणों में आ कर गुरु जी,
जिन्दगी क्या से क्या हो गई है,

2

जिसने पकड़ा है दामन तुम्हारा,
उस पे तेरी कृपा हो गई है,

3

तोड़ कर सारी दुनियां के रिश्ते,
मैंने ले लिया सहारा तेरा,
मुझ को तेरा सहारा मिला है,
अब दुनियां की परवाह नही है।

4

तेरे दरबार जो कोई आवे,
आ के चरणों में शीश झुकावे,
कट जाये चौरासी के बन्धन,
जिस पे तेरी कृपा हो गई है।

P.T.O

कितना उपकार सतगुरु तुम्हारा,
मुझे चरणों में आपने बुलाया,
जबसे दीदार तेरा है पाया,
मेरी सुरती मग्न हो गई है
तेरे चरणों - - - .

राम जी राम राम
श्रीराम
26.6.08 (4.10 p.m)
गुरुवार

भजन 50

1

अल्लाह मेरे मौला तेरे नाल मौजां बहारां,
जीवन मेरे दया शहनशाह तेरे हथ वहारां,

2

जी करदा तेरी धूल विच इश्नान करां मैं,
जद सब कुछ तैनूं सौंपया कलवान करां मैं,
कर मेहर, हुण समझा सकां मैं तेरियां तारां,
जीवन मेरे दया शहनशाह तेरे हथ बहारां।

3

कईबार तेरी होंद तों इन्कार मैं कीते,
बे वजह तेरे नाल तकरार वी कीते,
कर दे खत्म हुण मेरिआं सोचां विचारां,

4

अज इक इक मेरे रोम जो अरदास ए,
हर पल, हर छिन, हर घड़ी हर निकले श्वास ए,
ऐसा कदे न आवे समां जद तैनूं विसारां।

श्रीराम

भजन 51

1

भक्ति से भरा जीवन दातार हमें देना,
मजबूत पहाड़ो सा विश्वास हमें देना,

2

भक्ति है बड़ी ऊँची निर्बल है भक्त तेरा,
इक तू ही सहारा है, इस राह में प्रभु मेरा,
हर वक्त तू ही आधार हमें देना,।

3

तूफान है माया का घनघोर घटायें हैं,
पतरावना हमारी तुम, हम शरण में आये हैं,
संसार के सागर से तुम तार हमें देना।

4

धीरज जो दिलों को दें वह बोल हमारे हों,
तेरी ही तरह तेरे, बन्दे हमें प्यारे हों,
हर सन्त की सेवा और सत्कार हमें देना।

खड़े भक्त तेरे दर पे, हैं झोलियां फैलाये,
रंग दो हमें उस रंग में जो रंग तुम्हें भाये,
हो तेरी रज़ा जिसमें, संस्कार हमें देना।
भक्ति से भरा - - - -

राम जी राम राम
श्रीराम
26.6.08 (4.40 P.M)
वीरवार

52

भजन

जे तुसी न फड़दे बांह, असां रूल जाणा सी,
साहनू किधरे न मिलदी थां असां रूल जाणा सी

2

असी पत्तयां वांग, दर दर एथे रूलदे सी,
सादी गल गल दे विच आखियां तो
अथरू वगदे सी,
जे देंदा न खुशियां, असी रूल जाणा सी,

3

इक नज़र मेहर दी राम जी जद होन्दी है,
ऐ खाक दी ढेरी वी जा अम्बरां नू छून्दी है,
न मेहर दी करदा निगाह असी रूल जाणा सी
जे तुसी - - - -

4

जे लक्खां होण जुबानां गुण नही गा सकदे,
राम जी तुहाडा कर्ज असी नही लाह सकदे,
जे करदे न मेहर, असां रूल जाणा सी।
जे तुसी - - - .

हलदी खेडदी ए जिन्दगानी होनीसी,
इस जिन्दगी दी कोई होर कहानी होगीसी,
जे चरणां च मिलदी न थांअसां रुल
जाणासी।

राम जी राम राम
श्रीराम
26.6.08 (5 P.M)
वीरवार

भजन 53

1

दीवा चन्न दी जगे, हवा पुर दी वगे,
चल चल सन्तां दे दरबार चलिए,
मिट्ठी मिट्ठी खुशबु निम्मी तारयां दी लौ,
चल लैया लई राम जी दा प्यार चलिए,

दीवा - - - -

2

रिद्धी सिद्धियां दी दाती जिनु जाजासाद,
छोटा वड्डा एंदे द्वारे आके मौली तानदा
आशा पूरियाँ करे, दुख दिलां दे हरे,
चल लैया लई उस दा प्यार चलिए।

दीवा - - - -

3

एहदे द्वार तों कोई वी खाली जांवदा,
मुहों मंगियाँ मुरादां सारा जग पांवदा,
चल करन लई गुरां दा दिदार चलिए

दीवा - - - -

राम जी राम राम
श्री राम
27.6.08 (9RM)

भजन, 54

राम जी, मेरी नौकरी पक्की करो। 2

गोविन्द मेरी " " "

गोपाल मेरी " " "

2

जो आपने बताया, वो ही काम कर दिया,
मैनें सारा जीवन तेरे नाम कर दिया,
काम मेरा देख के तरक्की करो,

राम जी - - - - -

3

नौकरी करूँ तो तुम्हारी करूँ,
मै तो दूसरे की चोखट पे पांव न धरूं,
अर्जी में मेरी विचार भी करो।

4 राम जी - - -

आप जैसे मालिक तो मिलते नही,
रे जी नौकर वही जो बदलता नही,
काम मेरा देख के तरक्की करो।

राम जी - - -

आप को कोई फ़र्क पड़ता नहीं,
आप का खज़ाना कभी घटता नहीं,
आज मेरा भी खाली दामन भरो,
रामजी मेरी - - -

राम जी राम राम
श्री राम
27.6.08 (9.15 AM)
शुक्रवार

भजन 55

जयकारा गुरुदेव भगवान जी का
जय जय गुरुदेव।

1

जय कारा जयकारा जयकारा,
साहनूं लगदा ए प्यारा,
तेरा जयकारा लगदा ए प्यारा।

2 जयकारा-----

उचे सिंहासन ते सतगुरु बैठे ने,
कष्ट मिटादें नाले दुख हर लैंदे ने,
सब नालों वखरा नज़ारा नज़ारा।

साहनूं-----

3

चिट्टे चिट्टे चोले विच किन्हें सोहणे लगदे
कार दी सवारी विच बैठे प्यारे लगदे ने,
सब नालों वखरा नज़ारा मेरे सतगुरु दा।

साहनू-------

4

तेरे दर आ के मैं सेवा कमानी हाँ,
तेरे लगांरा दे विचों लगार मै खानी हाँ,
सब नालों वखरा नज़ारा मेरे सत्गुरु दा।

5 जयकारा — -

जेहड़ा तेरा जयकारा इक वारी बोलदा,
दुखां नूँ ओह मोड़दा चौरासी नूं ओह
फेरदा,
सब नालों वखरा जयकारा
मेरे सतगुरु दा।

6

आओ असी वी सारे जयकारा लगाइए,
जन्म जन्मान्तरां दे दुख मिटाइये,
सब नालों वखरा नज़ारा मेरे सत्गुरु दा।

राम जी राम राम
श्री राम
27.6.08 (4.40 P.M)
शुक्रवार

भजन 56

वाह वाह यह मस्ती सतसंग की 2
विश्वासी प्रेमी आते हैं, वचनों पर मरमिट
जाते हैं।

वाह वाह ----

2
वाह वाह ए श्रद्धा भक्तों की 2
जो भी मुरझाए आते हैं दिल उन के खिल
जाते हैं,

वाह वाह ----

3
वाह वाह यह रुतबा न सतसंग की 2
यहां कर्मों के खाते कटते हैं,
दुख रोग भी सारे मिटते हैं।

वाह वाह -----

4
वाह वाह यह दृष्टि सत्गुरु की,
सूनी थी बगिया जीवन की सतगुरु ने गुलशन
कर दी,

4

वाह वाह यह रहमत सतगुरु की 2
निर्बल को सहारा देती है,
मन में शक्ति भर देती है।

वाह वाह - - - .

5

वाह वाह यह वाणी सतगुरु की,
हमें आनन्द नाद सुनाती है, मन में स्थिरता
लाती है,
वाह वाह यह शक्ति भीतर की
यह प्रेम सुधा बरसाती है,
और प्रेम से प्रीत बढ़ाती है।

वाह वाह यह मस्ती सतसंग की,
" " " " गुरुवर की,
" " " " राम जी की।

राम जी राम राम जी राम
27.6.08 (4.45 P.M)
शुक्रवार

भजन 57

1
तन वारां कि मैं मन वारां,
समझ न आये मैं की वारां,

2
तेरे प्यार ने पागल कीता ए,
इस पगली दा दिल हर लीता ए,
हार वारां कि श्रृंगार वारां,
समझ न आवे मै की वारां ?

3
तेरा मुखड़ा देख मैं निहाल हो गई,
जदों दर्शन पाया मालोमाल हो गई,
जान वारां कि जहान वारां ?
समझ न आवे मैं की वारां ?

4
बड़ी मुद्दता दे बाद दर्शन पाया ए,
शोभा दर्शन दी देख, चन्न निकल आया ए
इक इक श्वास तेरे उत्तों वारां।

5

जिंद नाम वाले विच रंग लीती ए,
इस पगली ने जिंद वार दिती ए,
सारे जग दीआं खुशियां, तेरे उतों वारां।

समझो - - - - -

जिंद वारां - - - - - -

राम जी राम राम
श्री राम
27. 6. 08 (4.50 p.m)
शुक्रवार

1 भजन 58

तूँ वी नचना ए अज साडे नाल,
जग नूँ नचान वालेया,
जग नूँ नचान वालेया,
कृपाधाम रहण वालेया,
तूँ वी - - - - .

2
नित तूँ नचावें, अज तैनू वी नचावेंगे
रुस वी गया, ते हथजोड़ के मनावेंगे
अज क नच के कर दे निहाल,
जग नूँ नचान वालेया।
तूँ वी - - - - - .

3
गोपियां वी होनगियां ग्वाले वी होनगे,
रलमिल सारे असी रास रचावांगे,
आजा राधा रानी नू लैके तूँ नाल
जग नूं - - - - - -

4
तन वी है रंगना मन वी है रंगना,
अज तेरे नाल असां अंग अंग रंगना,
आ जा लै के अबीर गुलाल,
जग नूं - - - - -
5
अज वी न नचया ते यारी टुट जायेगी
तेरें कोलो ए सारी संगत रूस जायेगी,
ग्वाल रुस जानगे ते गोपी रूस जायेगी,
आ जा लै के तूं बंसरी नाल।
जग नूं - - -
जग नूं नचान वालेया ~~ए~~ वी श्याम रंगा वालेया,
तूं वी नचना ए अज साडे नाल
जग नूं - - - - -
राम जी राम राम
श्री राम
27. 6. 08 (4.55 P.M)
श्री राम
शुक्रवार

भजन 59

मेरे गुरां दा जिंदे उते रंग चढ़या।
हारां वाले दा जिंदे उत्ते रंग चढ़या।
बंसीवाले दा जिंदे उते रंग चढ़या,

2 मेरे गुरां - - - -

जिन्ने पल्ला ओहदा फड़या,
उस दा कम कदे न अड़या,
कि जिंदे उते रंग चढ़या।

3 मेरे गुरां - - - - -

ए रंग मीरां ते चढ़या उस ने भक्ति पाई,
तूँ ही मेरा मुरलीवाला तूँ ही कृष्णा कन्हाई
वो नच नच कमली होई कहदी अज न रोको
कि जिंदे उते रंग चढ़या। कोई.

4

एह रंग धन्ने नू चढ़या पत्थर दी पूजा कीती
श्रद्धा नाल लगाई प्रीती
उस ने पीता प्रेम (प्याला) वो ते हो गया मस्तवाला।
कि जिंदे - - - - -

5

ए रंग मिलनी ते चढ़या राम उहदे घर आये,

सुध बुध अपनूँ भुल गई सारी

जूठे बेर खिलाए

आवां च हनुमान आये सुखों दासी ए फरमाए,

कि जिदे उते - - - - - -

ए रंग राधा ते चढ़या चढ़ गई नाम खुमारी

कान्हां कान्हां करदी ओह

ओह श्याम प्यारी

मैंनू ऐसा जाम पिलाया, सारा जगत भुलया।

कि जिदे उते - - - - -

राम जी राम राम

श्रीराम

27.6.08 (5 P.M)

शुक्रवार

भजन 60

देखो किन्हे सोहणे ने दीदार मेरे रामजी दे,
खुशियां दे भरे ने भंडार मेरे रामजी दे,

2
आओ नी आओ मिल दर्शन करिए,
जन्म मरन दे दुख सब हरिए,
रूप है एकाकार, मेरे सत्तगुरु दे।
3 आओ देखो - - - -

3
आओ जी आओ मिल आरती करिए,
पूर्ण सतगुरु दी सेवा करिए,
रज रज पाइए प्यार मेरे सतगुरु दे।

4
आओ जी आओ मिल करिए सेवा,
प्रेम भक्ति दा पाइए मेवा,
खुल जाये मुक्ति द्वार मेरे सतगुरु दे।

5
आओ जी आओ मिल, सुमिरन करिए

P.T.O

नाम खज़ाना झोली भरिए
कर सतगुरु जी दे नाल प्यार मेरे
सतगुरु दे

6
प्रेमी गुरां दा असीं शुक्र मनाइए,
अपने राम जी तों वारी वारी जाइए,
भुलिए न कदे उपकार मेरे रामजी दे।
आओजी - - -.

रामजीराम राम
जीराम
27. 6. 08 (5.10 p.m)
शुक्रवार

भजन 61

1

की, दम दा भरोसा, दम आये न आये,
आओ रलमिल करिए याद, दम आये न आये,

2.

कर्मां नाल बन्दे दा जन्म है पाया,
सुखां नाल दाते ने कर्म कमाया,
आओ रलमिल जपिए नाम दम आये
न आये,

3

इक इक श्वास तेरा कीमत खजाना,
हथों जे छुट के मुड़ हाथ न आना,
आओ पल पल सिमरिए नाम दम
आये न आये,

4

प्रीतम प्यारे ने कर्म कमाया,
बाँह पकड़ के बेड़ा पार लगाया,
तूँ दम दम शुक्र मना, दम आये न आये,

5

साह चलदे दियां ऐश बहारां,
साह तेरे मुक गये जा उजड़िया सारा,
रैन्हा सांहा दी कीमत पादमआए---

6

अब भी बन्दे होश में आ जा,
सवार ले बाकी जीवन सारा,
तैनू सतगुरां दित्ता समझा
साह आयेन --.

राम जी राम राम
श्रीराम
28 6. 08 (8 AM)
शनिवार

भजन 62

1

यह दाने दार माला, मेरे किस काम की,
जिसमें न छवि देखी प्यारे श्रीराम की,

2

ओ हनुमान तूं बड़ा बलवान है 2
सीता जी का पता लगाना,
तेरा ही काम है 2

3

ओ हनुमान तूँ बड़ा बलवान है,
लंका में आग लगाना, तेरा ही काम है,

4

ओ हनुमान तूँ बड़ा ही बलवान है,
लक्ष्मण के प्राण बचाना तेरा ही काम
है,

5

ओ हनुमान तूँ बड़ा ही बलवान है, 2
राम जी को राज दिलाना, तेरा ही काम है,

ओ हनुमान तूँ बड़ा ही बलवान है 2,
भक्तों को पार लगाना तेरा ही काम है,

यह दाने - - - .

राम जी राम राम
श्रीराम
28.6.08 (8.10 AM)
शनिवार

भजन 63

द्वार आये, राम जी दा लख्खवार शुक्रिया है,
ऐ आस ते आ गई ए बहार शुक्रिया है,

2

अरशां दे तारे मैं कदमां च विछा देवां,
मुल अपनी प्रीति दा हस हस के चुका देवां,
नैनां विच दलक रहया ए प्यार शुक्रिया
है,

द्वार आये - - - - -

3

लग जावन न नज़रां, नैनां विच लुकां लवां,
तेरी प्यारी अदावां नू पलकां विच पिरो लवां,
बन जाये ए जिन्दगी श्रृंगार शुक्रिया है,

4

की पेश करां तैनू, औकात की मेरी ए,
एह ध्यान वी तेरा ए, ए शान वी तेरी ए,

5

मैं किवें कराँ तेरा सत्कार, शुक्रिया है,

6

सन्तो अज सटि लई चन्न ईद दा

सी तांग जेहड़ी अज मैनूं ~~आ~~ चुड़या ए ~~गेड़ा फड़्या~~ ए,

हर पासे होया ए दीदार शुक्रिया,

मैं किवें करां तेरा सत्कार शुक्रिया।

7

घर आये रामजी दा लावनार शुक्रिया ए

राम जी राम राम
श्रीराम
28.6.08 (8.15 AM)
शनिवार

भजन 64

1
मेहर बरसे, बरसे, मेरे राम जी दे द्वार
मेहर बरसे- - - -
मेहर बरसे, बरसे, मेरे राम जी दे द्वार
मेहर बरसे - -

2
अमृत वेले उठ के दाता दर्शन तेरा पावां,
दरशन तेरा पा के दाता, भवसागर तर जावां,
मेहर बरसे - - - .

3
तीन लोक दा मालिक है तूं कहंदी दुनिया सारी,
कृपा धाम विच आ कर के तर गई - - -

4
ज्ञान ध्यान किछु कर्म न जाणा
सार न जाणा तेरी,
सब तों वडा सतगुरु नानक जिन कल राखी मेरी,

5

जो जन तेरी सेवा करदे भवसागर तर जान्दे

धरती ते आकाश दे वासी दर तेरे ते आन्दे,

आके शीश झुकांदे, मेहर - - - -.

6

भर भर झोलियां भरदा ए,

जाण न मुकराअंदे

देने वाला तूँ नही थकदा, थक जांदे मंगन वाले,

मेहर बरसे - - - - -

राम जी राम राम
श्रीराम
28.6.08 (8.20 AM)
शनिवार

भजन 65

राम जी आनगे मेरे द्वारे,
शौक दिल दे कर लाँगी पूरे मै सारे।

2.

मेरे राम जी दे पैरी कोई कंडा न चुभ जाये,
साफ. कर के रखांगी रस्ते मै सारे।

3

मेरे राम जी आणगे, बागां तो फुल लयावां जी,
अपने राम जी नूँ फुलाँ दे हार पहनावांगी
प्रेम से हार पहनणगे प्रभु सारे।

4

मैरे राम जी आसागे, बनां चों बेर लयावांगी,
मैं अपने राम जी नूँ भोग लगावांगी
प्रेम से भोग लगायेगें प्रभु सारे।

5

मैरे राम जी आणगें फुलां दी सेज विछावांगी
मैं अपने राम जी नूँ ओन्हा दे उते बिठावांगी,

5

फेर मेरी किस्मत दे खुलनगे ताले

6

मेरे राम जी आनगे, दिल दा हाल सुनावांगी
मैं अपने राम जी नूँ, दिल खोल दिखावांगी
फेर करना गे दुखड़े मेरे सारे ।

7

राम जी इक - - - - - -

राम जी राम राम
श्रीराम
28.6.08 (3.40 P.m)
शनिवार

66

भजन

1

विना प्रभु दे तूं किसे नाल प्यार न करीं
वे मना याद रखवीं,
हीरा छड के तूं मिट्टी दा व्योपार न करीं,
वे मनां याद रखवीं।

2

तैनूं पंजा चोरां ने लुट सुटया। 2
तैनूं विषय विकारां ने पुट सुटया। 2
काम क्रोध मोह लोभ अहंकार न करीं
वे मना याद रखवीं।

विना प्रभु - - -

3

ऐ धीयां, पुत्र, मित्र, करमां दे करमां,
ऐ तां मतलब दे हैं संगी हां संगी,
एहना नाल बहुता प्यार न करीं,
वे मना याद रखवीं।

4

ए मानुष जन्म अनमोल है अनमोल है,
मुश्किल नाल मिलदा न मोल है 2,
एहदे नाल कोई झूठा व्यवहार न करीं,
वे मना याद रावीं।

5

ऐ दासन दास पुकारे हाँ पुकारे,
गुरु चरणां विच चित्त लायारे 2
गुरु चरणां नूं हृदय विच धार कीरावीं,

वे मना याद रावीं
विनां प्रभु - - - .

राम जी राम राम
श्री राम
28.6.08 (3.45 P.M)
शनिवार

भजन 67

गुरु चरणां विच बैह के कसम असी खावांगे,
होवे गुरां दी कृपा तोड़ निभावांगे,

2

ऊगां प्रेम दा सागर है 2
जिन्हां छाल मार लई ओहना भर लई गागर
असी वी ऐथों गागर भर लै जावांगे, है
होवे गुरां दी कृपा तोड़ निभावांगे 1

3

गंडा प्रेम दीआं पाइयां ने 2
एह नहियों खुलन लगियां, असां प्रेम नाल पाइयां ने
एहना गंडां नू होर वी पक्का बनावांगे
होवे गुरां दी किरपा तोड़ निभावांगे।

4

जग रुसदा ए ते रुस जाये.
जग नूं मना लवांगे साहनू सतगुरु मिल जाये,

असीं वी अपना सतगुरु पीर मनावांगे,
होवे गुरां दी किरपा तोड़ निभावांगे।

5

ऐथे भागां वाले आन्दे ने 2
सतगुरु दा दर्शन कर के दिल खिल
जांदे ने
असीं वी अपना दिल गुलज़ार बनावांगे
होवे गुरां दी किरपा तोड़ निभावांगे।
गुरु चरणां - - - - .

6

असीं वी सतसंग विच रोज़ आवांगे,
आ के अपना जीवन सफल बनावांगे,
होवे गुरां दी किरपा तोड़ निभावांगे।
गुरु चरणां - - - .

राम जी राम राम
श्री राम दीन दयाल।
कर कृपा प्रभु दीन गोपाल।।
तेरी ओर चूरी

भजन 68

मेरा छोटा सा परिवार हरि आजाओ 2
मेरी विनती है बारम्बार हरि आ जाओ 2

2

जोगी का वेश बना करके,
इस तन पर भस्म लगा कर के,
मैं अलख जगाऊं हरि द्वार
हरि - - - -

3

मधुबन की रंगीली कुन्जन में,
तुम आओ प्रिय राधा संग में,
ये पपीहा करे पुकार हरि आजाओ 2
मेरी विनती - - -

घनश्याम मुरारी 4 मधुसूदन
आ जाओ प्यारे मन-मोहन
यह दासी करे पुकार, हरि आ जाओ 2
हरि आ जाओ - - - -

5

मैं आशा लगाये बैठी हूं,
जाने क्या क्या मैं सहती हूँ,
मेरा सपना करो साकार, हरि आजाओ 2
मेरी विनती - - - - -.

राम जी राम राम
श्रीराम
कर कृपा प्रभु दीनदयाला।।
तेरी ओर पुरी गोपाला।।
28 6.08
शनिवार

भजन 69

1

दीदार कर लो बार 2 कर लो

धरती पे खुदा आय आ गया है।

भव पार करने झोलियाँ भरने

मेरा सतगुरु हजूर आ गया है।

2 धरती पै - - - .

धुर दरगाह से प्रभु हजूर आये, 2

कण कण इन से आज महकाये, 2

दर्शन कर के इन के इस तन में

मस्ती भरा इक सरूर आ गया है।

3 धरती पै - - - -

राम कह पुकारो, श्याम कह पुकारो,

प्रेम से किसी भी नाम से पुकारो,

गौर से देखो, इन्हें पहचानो,

यह कैसा निराला रूप आ गया है।

4

निराली खुशी है निराला समय है,
मेरे प्रभु का चमन आज खिला है,
तेरी शरण पा कर के ऐ मेरे दाता,
कैसा निराला सरूर आ गया है।

धरती पे - - - -.

5

अर्शों की रौनक धरती का उजाला,
अपने प्यारे भक्तों का आप रखवाला,
भक्तों के कष्ट मिटाने खुदा का स्वरूप आ
गया है।

धरती पे - - - -

राम जी राम राम
जी राम
कर कृपा प्रभु दीनदयाला।
तेरी ओर चुनी जोयाला॥

भजन 70

राम जी प्यारे जिन्हां उते मेहर करदे,
नज़र न आवे जो एह झोलियां भरदे,
राम जी प्यारे - - - -

2
चरणां दे विच रेन्हां दे जन्नत समाईए,
भागां वालियां ने तेरी रहमत पाईए,
सोणियां चरणां तों मै जावां सदके।
नज़र न - - - -

3
लड़ तेरा फड़या ए नईयों छडणा,
तेरे पिछे भावें पवे जग छडणा,
बैठी रवां हर वेले तेरे दर ते,
नज़र न - - - -

4
जिन्हां तेरे नाल लगाईयां अखियां,
लोक लाज ओन्हां तों न गईयां रखियां,
दुखियां गरीबां दी एह पीड़ा हरदे,
नज़र न - - - -

5

तुसी मुख मोड़ो असी मोड़ना नही,
जिनां वी छुड़ा लो पल्ला छोड़ना नही,
फड़ लया पल्ला हुण नइयो छडदे,
नज़र न - - - - -.

6

जिन्हां तेरे दर उते अलख जगाई ए,
नाम वाली दात गुरां कोलों पाई ए,
बन गये दिवाने ओह तां तेरे दर दे,
नज़र न - - - - - -

रामजी प्यारे जिन्हा ते मेहर करदे
नज़र न आवे रब तां झोलियां भरदे।

राम जी राम राम
श्रीराम
कर कृपा प्रभु दीन दयाला।
तेरी और पुरी गोपाला॥

भजन 71

रहमतां ने होंदियां, तेरे दर रहमतां ने होंदियां,
मुल्ला सादियां नूं दाता बख्शदे रहे,
अपनी खैर झोली विच पांदे रहे,
रहमतां - - - - -

2
मेहर तेरी दा अन्त कोई ए लव जगजाने,
दर तेरे ते गूगें बोलन, कमले होगा सयाने,
दुःख दुखियां दे दाता दूर करो।
अपनी मेहर साडी झोली पांदे रहो।।
3 रहमतां ने - - - - -

3
खोल न दफ्तर ऐबा वाले, दरतो धक न
जे बन्दयां विच ऐब न होंदे तूं बख्शदा मैनूं,
पाप पापियां दे दाता मिटांदे रहे,
अपनी खैर झोली विच पांदे रहो।

4

माया विच पै के मेरी मुकचली जिन्दगानी,
महांपुरखां दी संगत करके कदर न इसदी जानी,
अपनी खैर झोली साडी पांदे रहो,

5

दर तेरे ते दास तेरा करदा ए अरजोई,
तेरे बाझों इस दुनिया विच मेरा होर न कोई,
भवसागर तों दाता, तरांदे रहो
अपनी खैर साडी झोली पांदे रहो।

राम जी राम राम
जी राम
कर कृपा प्रभु दीनदयाला।
तेरी ओट पूर्ण गोपाला॥

भजन 72

जगा ले, जगा ले, अन्तर ज्योति जगा ले,
सतसंग में आ के प्रभु गुण गा ले।

2

यह धन ये खज़ाने, ये जग के नज़ारे,
बिना बन्दगी के हैं बेकार सारे,
है बन्धन का कारण जगत के पदार्थ
हटा ले, हटा ले, यह बन्धन हटा ले।
जगा ले - - - - - -

3

सुमिरन भजन में जो जीवन बिताये,
दरगाह में उज्जवल मुख ले के जाये,
जो सुख देने वाला प्रभु, मन तूं उस से लगा
लगा ले, लगा ले, तूं नेहा लगा ले,
जगा ले - - - - - .

4

हमेशां ही सत्तगुरु भले को सुनाते,
फंसी संकटों में जो रूह को बचाते,

हिदायत में उन की तूँ चल कर के प्राणी,
बिता ले, बिता ले, तूँ जीवन बिता ले।

5

गुरु वचनों पर अगर तूं अमल जो करेगा,
नाम सुमिर कर तूं जीवन बना ले
बना ले, बना ले, जीवन सफल तूँ बना ले।
जगा ले, जगा ले, अन्तर ज्योति तूँ जगा ले।
सैसे सतसंग में आके - - -

राम जी राम राम
श्री राम
कर कृपा प्रभु दीन दयाल।
तेरी और पूरी जोपाल।

भजन 73

चल तुर पै प्रभु जी दे राह अड़ियां न कर मन वे,
तेरी जिन्दगी दा कोई न विसाह अड़ियां न कर मन वे,

2.
देख तेरे नाल दे टुर पये जांवदे 2
इक वारी गये, फिर मुड़ के न आंवदे 2
जिन्हां नू काल लइया खा।
अड़ियां न कर मन वे,
चल - - - - -

3
सोहणियां सूरतां चिता ते चढ़ जाणीयां 2
आकड़ां ऐ तेरिआं, किसे न कम आणीयां 2
जदों तेरा निकल गया साह। अड़ियां न —

4 चल - - - - - -
ओथे तेरे नाल भाई, किसे नहियों जावणा। 2
सारियां ने ओथे तैनू कलयां छोड आवणा। 2
न कोई वैरी ते भरा, अड़ियां — — —

भजन 74

भोले बाबा ने डमरू बजाया जरा,
भोले शंकर ने डमरू बजाया जरा,
देखो कैलाश सारा मगन हो गया। 2

2

डमरू की आवाज़ सुन ब्रह्मा जी चले,
संग में ब्रह्माणी भी उन के खड़ी हो गई,
फिर तो नारद की वीणा बजने लगी,
देखो कैलाश सारा मगन हो गया।

3

डमरू की आवाज़ सुन राम जी भी चले,
साथ सीता भी उन के खड़ी हो गई,
फिर तो हनुमान के घुंघरू भी बजने लगे,
देखो कैलाश सारा मगन हो गया।

4

डमरू की आवाज़ सुन कृष्णा जी चले,
संग मे उन के राधा रानी खड़ी हो गई,
फिर तो मोहन की मुरली भी बजने लगी

देखो कैलाश सारा मगन हो गया।

डमरू की आवाज सुन मय्या भी चली २
संग में शेर भी उन के खड़ा हो गया २,
फिर तो मय्या के जयकारे गूंजन लगे,
देखो कैलाश सारा मगन हो गया।

डमरू की आवाज से सतगुरु चले,
संग में संगत भी उन के खड़ी हो गई,
फिर तो ढोलक और चिमटे भी बजने लगे
देखो कैलाश सारा मगन हो गया॥
भोले बाबा ने - - - -
बोलो शंकर भगवान जी की जय
पार्वती मय्या जी की जय।

राम जी राम राम
श्रीराम दीनदयाला।
कर कृपा प्रभु गोपाला॥
तेरी ओर चूरी

भजन 75

शिव शंकर त्रिपुरारी, हमारी सुध ले लेना,
शंकर मुंड माल त्रिपुरारी हमारी सुध ले
गिरिजापति कैलाश विहारी लेना,
हमारी सुध ----

2
बाघाम्बर तन भस्म रमाये,
शीश गंगा विषधर लपटाये,
भोले, नील कंठ छवि न्यारी
हमारी सुध --

3
कर त्रिशूल और डमरु विराजे,
नंदी पर असवारी साजे,
भोले भगतन के अधिकारी,
4 हमारी सुध - - ..

हे शिव शंकर हे महादेवा,
भक्तों की स्वीकार हो सेवा,
भोले लीला तेरी न्यारी
हमारी - - -

भजन 76

खींचो खींचो श्याम मेरी डोरी खींचो,
रीझो रीझो श्याम मेरे अब तो रीझो,
खींचो - - - .

2
ज्ञान की पटरी, प्रेम की डोरी,
अब तो श्याम मैं तेरी होली,
रीझो रीझो श्याम मेरे अब तो रीझो।

3
आओ श्याम तोहे झूला झूलाऊं,
झूला झुलाऊं तोहे माखन खिलाऊं,
रीझो रीझो श्याम मेरे अब तो रीझो।
खींचो - - - .

4
अब तो तेरी होय चुकी हूं,
नाता तुम संग जोड़ चुकी हूं,
रीझो रीझो श्याम मेरे अब तो रीझो
खींचो - - . .

भजन 77

आओ भोग लगाओ मेरे मोहन,
रुच रुच भोग लगाओ मेरे मोहन,

2
हम बालक तेरे द्वार पै आये,
कर किरपा अपनाओ, मेरे मोहन,

3
न हम में बल है न हम में शक्ति,
न हम में श्रद्धा न हमें भगति,
श्रद्धा भगति बढ़ाओ मेरे मोहन
आओ · · - - - -

4
भीलनी के बेर सुदामा के तन्दुल,
रुच रुच भोग लगाओ मेरे मोहन,
आओ - - - - - - -

5
दुर्योधन के मेवा त्यागे,
साग विदुर घर खाओ मेरे मोहन।
आओ - -

भजन 78

अज खुशी राम जी दे आवन दी,
राहवाँ विच फुल बरसांवाँ मैं।

2

अज राम जी मेरे घर आये ने,
मेरे सुत्ते भाग जगाये ने,
अज रज रज दर्शन पावां मै,
राहवां विच फुल बरसावां मैं।
अज खुशी - - .

3

अज घड़ी सुलखणी आई ए,
मेरे घर विच खुशी समाई ए,
इस घड़ी दा मुल की पावां मै
राहवां विच फुल बरसावां मैं।

4 अज खुशी —

अज दिन प्रभाती आया ए,
मेरे राम जी ने फेरा पाया ए,
नाले नचां ते नाले गावां मै,

राहवों विच फुल बरसावां मैं,

4

अज घड़ी भाग भरी आई ए,
मेरे राम जी दी छवा छाई ए,
मुहँ मंगियां मुरादां पावां मैं,
राहवाँ विच फुल बरसावां मैं ।

5

अज सतगुरु आये होये ने,
सारी संगत नू लभाये होये ने,
तेरे चरणां च शीश झुकावां मैं,
अज वारी सदके जावां मैं ।

6

राम जी राम राम
श्री राम दीनदयाला
कर कृपा प्रभु
तेरी और पूरा जो वाला

भजन 79

ऐसी किरपा करो राम जी मेरे,
हर जन्म में रहूँ साथ तेरे,
हर पल में रहुँ साथ तेरे।

2

चाहे कोई जन्म मुझ को देना,
मौका अपनी ही सेवा का देना,
डालो चरणा कमल के फेरे,
हर जन्म में रहुँ साथ तेरे।

3

मैंने अपने परायों को छोड़ा,
इक तेरे संग नाता जोड़ा,
यही विनती सुनो राम जी मेरे,
हर जन्म में रहुँ साथ तेरे।

4

मेरी नय्या भंवर में पड़ी है,
इस कोई भी खवैया नही है,

मेरे माझी बनो राम जी मेरे,
हर जन्म में रहूं साथ तेरे,

5

मेरे राम रमैया हो प्यारे,
सब की बिगड़ी को तू ही सवांरे
काटो जन्म मरण के फेरे,
हर जन्म में साथ रहूं तेरे।

राम जी राम राम
श्री राम दीनदयाला
कर कृपा प्रभु गोपाला
तेरी ओर पुरा

भजन 80

मेरे राम जी, मेरे राम जी,
दूरों दूरों चल सगतां तेरे दर्शनां नू आईयाँ

2

साहनूं आसरा तेरा,
तेरी किरपा लैन वास्ते दर फड़या तेरा ए

3

तेरे दर दे भिखारी हाँ,
जन्मां जन्मां तों तेरे नाम दे पुजारी हाँ

4

असां तेरा दर मलया ए,
तेरी सेवा दा साडे मन चाव चढ़या ए ॥

5

तेरी सूरत हसदी ए,
राम जी दी पूरी कृपा साडे दिल विच वसदी ए॥

6

साढे घर वी आया करो

रूखा सूखा जोगन दा, तुसां भोग लगाया करो

7

कोई पुन न कमाया ए,
साडे घर दे बच्चयां ते तेरी रहमत दा साया ए ॥

तुसाँ लखां तारे ने,
इन्हा नूँ वी तारो रामजी
जेहड़े आये तुहाडे द्वारे ने ॥

मेरे राम जी - - -

राम जी राम राम
श्रीराम
कर कृपा प्रभु दीनदयाल।
तेरी ओर पूरी जोवालें
4. 7. 08 (4.45 p.m)

श्री राम

प्रेमार्पणराम

कर कृपा प्रभु दीन दयाला ।
तेरी ओट पूर्ण गोपाला ।।

कृपा धाम, सी-2बी, जनक पुरी, नई दिल्ली-110058
दूरभाष :- 011-25517225

Printed at Print Center : 25520238, 25525646, 9810963012